CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186
Tital Code:RAJHIN27921

दैनिक मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com मो.7014373732

वर्ष: 01 | अंक : 66 | जयपुर | 13 अक्टूबर 2022 | गुरुवार | मूल्य: रु. 2 | पृष्ठ : 06

पीएम का फेस बनने के सवाल पर बोले खड़गे :बकरीद पर बचेंगे, तब मोहर्रम में नाचेंगे; मुहावरे में दिया जवाब

भोपाल भोपाल आए कांग्रेस अध्यक्ष पद के प्रत्याशी मल्लिकार्जुन खड़गे से जब मीडिया ने ये सवाल किया कि अध्यक्ष बनने के बाद आप पीएम का चेहरा भी बनेंगे क्या? इस पर खड़गे ने मुहावरे में जवाब देते हुए कहा - बकरीद पर बचेंगे, तब मोहर्रम में नाचेंगे। उनके इस जवाब पर वहां ठहाके लगे।खड़गे ने कहा- आज मैं यहां संगठन के लोगों से मिलने आया हूं, उनके सामने अपनी बात रखने आया हूं। यह संगठन का चुनाव है। कांग्रेस के संविधान के अनुरूप हम यह चुनाव लड़ते हैं। चिंतन शिविर, डेलिगेशन में जो निर्णय हुए थे, उसे प्रमुखता से लागू करूंगा। मैं सबसे जुड़ूंगा। विश्वास में लूंगा, उसके बाद ही निर्णय लूंगा। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से चर्चा करूंगा।

खड़गे ने बुधवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी दफ्तर पहुंचकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं से मुलाकात की और समर्थन मांगा। इस दौरान मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ, प्रदेश प्रभारी जेपी अग्रवाल के साथ उन्होंने बंद कमरे में करीब 45 मिनट बात की। वे कांग्रेस नेता और पीसीसी डेलीगेट्स से भी मिले। खड़गे जब मीडिया से बात करने पहुंचे तो यहां सेल्फी के लिए जमकर धक्का-मुक्की भी हुई।

भाजपा हमारे विधायकों को चुरा रही है

खड़गे ने भाजपा पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार संविधान नष्ट कर रही है, जहां-जहां भी कांग्रेस की सरकार आई, मोदी और शाह ने मिलकर हमारे विधायक चुरा लिए। कांग्रेस को जनता का सपोर्ट मिलने के बाद भाजपा ने संविधान के खिलाफ जाकर चोरी की। कांग्रेस की लड़ाई सड़क से लेकर संसद तक रहेगी।

भाजपा के खिलाफ लड़ना है

खड़गे ने कहा- भाजपा आज जो काम कर रही है, उसके खिलाफ लड़ना है। फिर चाहे वह बेरोजगारी हो या देश की आर्थिक स्थिति। देश में लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए मैं चुनाव लड़ रहा हूं। आइडियोलॉजी की लड़ाई में समय या उम्र नहीं, बल्कि आपकी विचारधारा और मानसिकता मायने रखती है। कांग्रेस छोड़ रहे लोगों पर खड़गे ने कहा कि चुनाव के बाद इसके कारणों पर चर्चा होगी।

भाजपा की सरकार बड़ा चैलेंज

खड़गे ने कहा- हमारे सामने सबसे बड़ा चैलेंज है, भाजपा की सरकार। ये लगातार शक्तियों का दुरुपयोग कर रही है। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की 6 सरकारें बनीं। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा मणिपुर, गोवा, कर्नाटक और मध्यप्रदेश में हमारी सरकार गिरा दी गई। एक तरफ आप कहते हो, हमारे पास जनाधार नहीं है। वहीं, दूसरी ओर जहां हमारी सरकार बनती है, उसे गिराने का प्रयास किया जाता है।संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए मैं इस चुनाव में खड़ा हुआ हूं। हमारी लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक है। मेरी यही इच्छा है कि यह संगठन का चुनाव ही रहे। हमें एक दूसरे के खिलाफ नहीं, बल्कि हम दोनों को मिलकर भाजपा के खिलाफ लड़ना है।

कमलनाथ पहले ही कह चुके, मेरा वोट खड़गे को जाएगा

कांग्रेस अध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ने के लिए दिग्विजय सिंह ने भी नामांकन फॉर्म खरीदा था, लेकिन मल्लिकार्जुन खड़गे की उम्मीदवारी सामने आने के बाद दिग्विजय सिंह ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया और खड़गे के प्रस्तावक बने। उस समय प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा था कि दिग्विजय सिंह ने मुझे फोन किया और बताया कि मैं फार्म नहीं भरूंगा, क्योंकि खड़गे जी भर रहे हैं। उन्होंने ये भी कहा था कि मेरा वोट खड़गे जी को जाएगा। नाथ के इस बयान के बाद तय हो गया था कि मप्र से खड़गे को भारी सपोर्ट मिलेगा। पूरी खबर पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें

17 अक्टूबर को भोपाल में होगी अध्यक्ष पद की वोटिंग

मप्र में इस बार कांग्रेस ने 504 डेलीगेट्स बनाए हैं। ये सभी डेलीगेट्स राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए वोट डालेंगे। 17 अक्टूबर को पीसीसी ऑफिस में राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए वोटिंग होगी। अध्यक्ष के चुनाव के उम्मीदवार मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीसीसी में करीब 45 मिनट बंद कमरे में कमलनाथ से चर्चा की।इस बैठक में मप्र के प्रदेश प्रभारी जेपी अग्रवाल के साथ ही खड़गे के साथ भोपाल आए कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी और राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ भी मौजूद थे हालांकि पीसीसी के सभागार में जब खड़गे ने डेलीगेट्स से चर्चा की, उसमें कमलनाथ मौजूद नहीं रहे।

14 अक्टूबर को भोपाल में वोट मांगने आएंगे शशि थरूर

खड़गे के दौरे के बाद अब 14 अक्टूबर को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के उम्मीदवार शशि थरूर भोपाल आएंगे। थरूर पीसीसी में डेलीगेट्स से मिलकर अध्यक्ष पद के लिए वोट मांगेंगे।

नगर निगम ने दीपावली पर 7 दिन तक विज्ञापन शुल्क माफ किया

जयपुर. दीपावली के पास आते ही जयपुर में बाजार सजने शुरू हो गए। इसे देखते हुए जयपुर के व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने आज नगर निगम ग्रेटर में महापौर शील धाबाई संग बैठक कर सजावट में लगने वाले विज्ञापनों के शुल्क को माफ करने की मांग की। इस बैठक में मेयर और नगर निगम कमिश्नर महेन्द्र सोनी ने व्यापारियों के लिए दो बड़े निर्णय किए। पहला निर्णय सामूहिक सजावट में लगने वाले विज्ञापनों का 7 दिन तक कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके साथ ही जो बाजार सबसे अच्छी सजावट करेगा उसे पुरस्कृत किया जाएगा।

नगर निगम मुख्यालय में हुई इस बैठक में जयपुर व्यापार मंडल समेत अन्य व्यापार मंडल के पदाधिकारी भी शामिल हुए। व्यापारियों ने बताया कि कोरोना संकट के चलते लगातार पिछले दो साल त्योहारों के दौरान भी बाजार से रौनक गायब रही। लेकिन इस बार ये पहला मौका है। जब लोग दीपावली पर खुलकर बाजारों में घूमने और खरीददारी करने निकल रहे है। इसे देखते हुए इलेक्ट्रॉनिक दुकानों, शॉपिंग मॉल, कपड़े सहित शहर की ज्यादातर छोटी-बड़ी दुकानों को आकर्षक लाइटिंग और नए-नए उत्पादों से सजाया जाने का काम शुरू हो गया है। इन सजावट के दौरान कई होर्डिंग, बैनर-पोस्टर भी लगाए जा रहे है। इन बैनर-होर्डिंग के लिए जो विज्ञापन शुल्क नगर निगम वसूलता है उसमें छूट दी जाए। इस पर मेयर ने सभी व्यापारियों की सुझाव और समस्याएं सुनने के बाद बैठक में ऐलान किया कि इस बार भी नगर निगम व्यापारियों से 7 दिन तक विज्ञापन शुल्क के पेटे पैसा नहीं वसूलेगा। साथ ही अपने स्तर पर अच्छी सजावट करने वाले बाजारों को पुरस्कृत भी करेगा। उधर कमिश्नर महेन्द्र सोनी ने बताया कि व्यापारियों की कुछ समस्याएं थी, जिसके निस्तारण का आश्वासन दिया है।

जयपुर का दूसरा सबसे बड़ा सेंट्रल पार्क जनता के लिए तैयार

मानसरोवर के सेंट्रल पार्क का मुख्यमंत्री अशोक गहलोत करेंगे लोकार्पण, 110 करोड़ रुपए में हुआ तैयार

जयपुर. जयपुर का दूसरा सबसे बड़ा सेंट्रल पार्क जनता के लिए तैयार है।

जल्द ही इस पार्क का मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लोकार्पण करेंगे। दो फेज में बन रहे इस पार्क के पहले फेज का लोकार्पण किया जाएगा। करीब 52 एकड़ जमीन पर बने इस पार्क में 110 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इस पार्क के दोनों फेज बनने के बाद ये जयपुर का सेंट्रल पार्क के बाद दूसरा सबसे बड़ा पार्क बन जाएगा। जयपुर में सेंट्रल पार्क के बाद जवाहर सर्किल है, जो दूसरा सबसे बड़ा पार्क है। लेकिन अब मानसरोवर में इस पार्क के बनने के बाद ये दूसरा सबसे बड़ा पार्क बन जाएगा। हाउसिंग बोर्ड कमिश्नर पवन अरोड़ा ने बताया कि इस पार्क के पहले फेज में होर्टिकल्चर वर्क, सिविल वर्क, जॉगिंग ट्रेक आदि बनाए गए है। जबकि दूसरे फेज में एक बड़ा फाउंटेन स्क्वायर, 3 भव्य एंट्री प्लाजा, बॉटनीकल गार्डन, अपर लेक (वॉटर बॉडी), पार्किंग प्लेस और फूड कोर्ट शामिल है। पार्क की सुंदरता के लिए यहां छोटे-छोटे फ्लॉवर स्पॉट बनाए गए है। इसके अलावा यहां 6 से ज्यादा डिजाइन की अलग-अलग लाइटें लगाई गई है। उन्होंने बताया कि इस पार्क के आकर्षण

का केन्द्र यहां का भव्य एंट्री प्लाजा है। जहां एक वॉटर बॉडी भी बनाई है। इसके अलावा यहां 17 स्कल्पचर लगाए है, जो देखने में बहुत सुंदर है। इसके साथ ही यहां लोगों के बैठने के लिए अत्याधुनिक 120 बैंच और 6 वॉटर पोइंट बनाए गए है। इस पार्क में लोगों के लिए मॉर्निंग-इवनिंग वॉक के लिए 3.5 किलोमीटर मीटर का जॉगिंग ट्रेक बनाया है। वहीं सेंट्रल पार्क में जॉगिंग ट्रेक 4 किलोमीटर का है। इस पूरे वॉकिंग ट्रेक के किनारे म्यूजिक सिस्टम इंस्टॉल किए गए है, जहां सुबह-शाम हल्की मंद आवाज में म्यूजिक चलेगा। इसके अलावा यहां चिल्ड्रन प्ले एरिया बनाया है, जहां बच्चे आसानी से खेल सकेंगे। इस पार्क में हाउसिंग बोर्ड ने अलग-अलग 32 प्रजाति के पेड़-पौधे लगाए है। इसमें छोटे फ्लॉवर शो एरिया में बनाए गए है। इसके साथ ही मध्यम मार्ग से एक भव्य एंट्री गेट बनाया है, जहां बड़ा फाउंटेन भी लगाया है। यहां 5 से ज्यादा डिजाइन की लाइटें लगाई गई है। यहां 2 पार्किंग पैलेस बनाए है, जबकि एक एसटीपी बनाया है, सीवरेज के पानी को ट्रीट करके पार्क में सिंचाई के लिए उपयोग किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल बीजेपी जॉइनिंग कमेटी अध्यक्ष

कमेटी तय करेगी पार्टी में कौन शामिल होगा

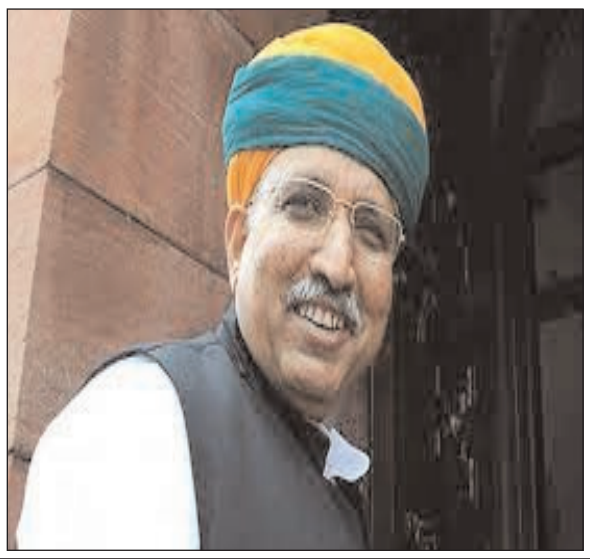

जयपुर. बीजेपी में नेताओं की जॉइनिंग और घर वापसी को लेकर पनपे विवाद के बीच पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी के घोर विरोधी केंद्रीय मंत्री और बीकानेर से लोकसभा सांसद अर्जुनराम मेघवाल को ही पार्टी ने जॉइनिंग कमेटी का अध्यक्ष बना दिया है। भाटी ने मेघवाल को लोकसभा का टिकट दिए जाने के बीजेपी हाईकमान के फैसले के खिलाफ ही पार्टी छोड़ी थी। अब 2023 विधानसभा चुनाव से पहले वसुंधरा राजे के सहारे भाटी बीजेपी में वापसी की तैयारियों में जुटे हैं। 9-10 अक्टूबर को बीकानेर में वसुंधरा राजे के दौरे और सभा से पहले 8 अक्टूबर को भाटी ने बीजेपी जॉइन करने का ऐलान भी खुद ही करवा दिया था। लेकिन पार्टी में उनकी जॉइनिंग नहीं हो सकी। साथ ही दूसरे नेताओं की बीजेपी में घर वापसी की फाइल भी अटक गई।बीजेपी जॉइनिंग कमेटी में अर्जुनराम मेघवाल के अलावा विधायक वासुदेव देवनानी सहित 4 से 5 नेता शामिल होंगे। यह कमेटी तय करेगी कोई नेता बीजेपी में शामिल होगा या नहीं। ऐसे में देवी सिंह भाटी को

बीजेपी में जॉइनिंग के चांस अब बहुत कम हो गए हैं। क्योंकि अर्जुनराम मेघवाल के बेटे रवि शेखर मेघवाल खुद उसी कोलायत विधानसभा क्षेत्र से विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे हैं, जहां से देवी सिंह भाटी पूर्व में बीजेपी से चुनाव लड़ते रहे हैं। 20-21 अक्टूबर को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा कोटा में बूथ सम्मेलन को संबोधित करने राजस्थान आ रहे हैं। इस दौरान जॉइनिंग की उम्मीद लगाए बैठे नेताओं के नामों की लिस्ट पर जॉइनिंग कमेटी और पार्टी प्रदेश संगठन नड्डा से भी फाइनल मार्गदर्शन (गाइडेंस) लेंगे।माना जा रहा है पूर्व मंत्री और वसुंधरा राजे के करीबी देवी सिंह भाटी की घर वापसी का रास्ता बहुत मुश्किल है। क्योंकि भाटी ने अर्जुनराम मेघवाल को दोनों बार बीकानेर से लोकसभा सांसद का टिकट मिलने पर पुरजोर विरोध किया था। पिछले लोकसभा चुनाव में अर्जुनराम मेघवाल को दोबारा टिकट मिलने पर देवी सिंह भाटी ने पार्टी छोड़ने का फैसला खुद लिया था। देवी सिंह भाटी बीकानेर में दिग्गज बीजेपी नेता रहे हैं। वह 1980 से लगातार 7 बार विधायक रहे। वसुंधरा राजे के विश्वास पात्र और करीबी होने के बावजूद केंद्रीय बीजेपी के फैसले पर सवाल उठाने के कारण आज हाशिये पर चल रहे हैं।

2 महिलाओं की बलि, शव खाने का शक

तिरुवनन्तपुरम. केरल नरबलि मामले में पुलिस ने बुधवार को चौंकाने वाले खुलासे किए। पुलिस ने बताया कि बलि देने वाले डॉक्टर दंपती ने 2 महिलाओं को बांधकर पहले टॉर्चर किया। एक लाश के 56 टुकड़े किए। हालांकि शव खाने की अभी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सबूत इस ओर भी इशारा कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने दोनों महिलाओं की छाती भी काट दी थी। केरल में 2 महिलाओं की नरबलि का मामला मंगलवार यानी 11 अक्टूबर को सामने आया। घटना 27 सितंबर की है। केरल के त्रिरुवल्ला में अंधविश्वास के चलते डॉक्टर भगावल सिंह और उसकी पत्नी लैला ने 2 महिलाओं की गला रेतकर हत्या कर दी थी। फिर दोनों शवों के टुकड़े करके उन्हें दफना दिया। आरोपियों को भरोसा था कि ऐसा करने से उनके घर में धन-वैभव आने लगेगा। इस काम में एक तांत्रिक मोहम्मद शफी ने उनकी मदद की थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को मंगलवार को गिरफ्तार किया था।

त्रिरुवल्ला के रहने वाले डॉक्टर भगावल काफी समय से आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। उनकी पत्नी लैला ने पेरुंबवूर में रहने वाले तांत्रिक शफी से कॉन्टैक्ट किया। उसने कहा- मानव बलि देने से ही भगवान खुश होंगे। उसने दो महिलाओं की बलि देने को कहा। साथ ही यह भी बताया कि वही बलि के लिए महिलाओं का इंतजाम भी कर देगा। वह मानव तस्करी भी करता था। पुलिस ने इस मामले में शफी को मुख्य आरोपी बनाया है। लैला ने फेसबुक के जरिए तांत्रिक से कॉन्टैक्ट किया। तांत्रिक कलाडी और कदवंतरा की रहने वाली दो महिलाओं को पैसों और काम का लालच देकर त्रिरुवल्ला लाया। यहां से डॉक्टर दंपती और तांत्रिक दोनों महिलाओं को लेकर पथनामथिट्टा के एलंथूर गए। यहीं तंत्र साधना करके उनकी बलि दी गई। एलंथूर में ही दोनों महिलाओं को दफना दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा 9 नवंबर तक बताएं किस कानून से 1000-500 के नोट बंद किए

नोटबंदी पर केंद्र सरकार और आरबीआई को नोटिस

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने नोटबंदी पर केंद्र सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक को नोटिस जारी किया है। 5 जजों की संविधान पीठ ने 9 नवंबर तक यह बताने को कहा है कि किस कानून के तहत 1000 और 500 रुपए के नोट बंद किए गए थे। कोर्ट ने सरकार और आरबीआई को हलफनामे में अपना जवाब देने को कहा है।

याचिकाकताओं की दलील है कि भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम की धारा 26 (2) किसी विशेष मूल्यवर्ग के करेंसी नोटों को पूरी तरह से रद्द करने के लिए सरकार को अधिकृत नहीं करती है। धारा 26 (2) केंद्र को एक खास सीरीज के करेंसी नोटों को रद्द करने का अधिकार देती है, न कि संपूर्ण करेंसी नोटों को। अब इसी का जवाब सरकार और आरबीआई को देना है। सुप्रीम कोर्ट में इस सुनवाई की लाइव स्ट्रीमिंग"पर हुई थी। इससे पहले 28 सितंबर को पांच जजों की बेंच ने इस मामले में सुनवाई की थी। तब बेंच ने यह कहकर कार्यवाही को टाल दिया था कि कोर्ट के पास और भी कई महत्वपूर्ण और अधिकारों से जुड़े मामले हैं। 2016 में विवेक शर्मा ने याचिका दाखिल कर सरकार के फैसले को चुनौती दी। इसके बाद 58 और याचिकाएं दाखिल की गईं। अब तक सिर्फ तीन याचिकाओं पर ही सुनवाई हो रही थी। अब सब पर एक साथ सुनवाई

होगी। यह सुनवाई जस्टिस एस.अब्दुल नजीर की अध्यक्षता में होगी। 16 दिसंबर 2016 को ही ये केस संविधान पीठ को सौंपा गया था, लेकिन तब बेंच का गठन नहीं हो पाया था। 15 नवंबर 2016 को उस समय के चीफ जस्टिस टीएस ठाकुर ने मोदी सरकार के इस फैसले की तारीफ की थी। चीफ जस्टिस ने कहा था नोटबंदी की योजना के पीछे सरकार की जो मंशा है वो तारीफ के लायक है। हम आर्थिक नीति में दखल नहीं देना चाहते, लेकिन हमें लोगों को हो रही असुविधा की चिंता है। उन्होंने सरकार से इस मसले पर एक हलफनामा दायर करने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता के वकीलों ने सरकार की नोटबंदी की योजना में कई कानूनी गलतियां होने की दलील दी थी, जिसके बाद 16 दिसंबर 2016 को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को 5 जजों की संविधान पीठ के पास भेज दिया था। तब कोर्ट ने सरकार के इस फैसले पर कोई भी अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया था। यहां तक कि कोर्ट ने तब नोटबंदी के मामले पर अलग-अलग हाईकोर्ट में दायर याचिकाओं पर सुनवाई से भी रोक लगा दी थी। 2016 की नोटबंदी के समय केंद्र सरकार को उम्मीद थी कि भ्रष्टाचारियों के घरों के गद्दों-तकियों में भरकर रखा कम से कम 3-4 लाख करोड़ रुपए का काला धन बाहर आ जाएगा। पूरी कवायद में काला धन तो 1.3 लाख करोड़ ही बाहर आयाङ्कमगर नोटबंदी के समय जारी नए 500 और 2000 के नोटों में से अब 9.21 लाख करोड़ गायब जरूर हो गए हैं।

रिटायर्ड जज के घर डकैती डालने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर. रिटायर्ड जज के मकान में हुई डकैती की योजना मुहाना स्थित केसर चौराहे के पास बने अब्बास कार गैराज में काम करने वाले वसीम ने बनाई थी। इसके लिए गैराज के 9 किमी दूरी में 3 महीने तक पक्की रेकी कर हीरा पथ न्यू सांगानेर रोड के एक मकान को चुना था। इसके लिए करीब 400 किमी दूर यूपी से डकैतों को बुलाया था। पुलिस वारदात में शामिल वसीम और जीया को गिरफ्तार कर चुकी हैं। जीया की निशानदेही पर डकैत साजिद को पकड़ने के लिए एक टीम को यूपी भेजा है। पूरी वारदात का खुलासा 72 घंटे में डीएसटी साउथ और थाना पुलिस ने किया है। इसमें अहम भूमिका किसकी रही इसका खुलासा पुलिस आज करेगी। डकैतों ने 2.29 घंटे तक मकान में रुक कर वारदात को अंजाम दिया। गौरतलब हैं कि शुक्रवार शाम को रिटायर्ड जज राजेश नारायण शर्मा के मकान में घुसे चार बदमाशों ने उन्हें बंधक बना कर दो मोबाइल, एक लैपटॉप, साढ़े दस हजार की नकदी और आर्टिफिशियल ज्वेलरी लूट ली थी। वसीम ने सीकर के लोसल निवासी दोस्त जीया से संपर्क किया, जो मेरठ का रहने वाला है। जीया ने अपने गांव से करीब 30 किमी दूर रहने वाले साजिद का नंबर वसीम को उपलब्ध कराया।

सम्पादकीय

विकसित देशों के अर्थशास्त्री भारत की तेज विकास दर को जानबूझकर अनदेखा कर रहे हैं

अभी हाल ही में संयुक्त राष्ट्र डेवलपमेंट प्रोग्राम ने मानव विकास सूचकांक (एचडीआर) प्रतिवेदन 2021-22 जारी किया है। एचडीआर की वैश्विक रैंकिंग में भारत 2020 में 130वें पायदान पर था और 2021 में 132वें पर आ गया है, ऐसा इस प्रतिवेदन में बताया गया है ।विकसित देशों के कुछ अर्थशास्त्रियों ने भारत के विरुद्ध जैसे एक अभियान ही चला रखा है और भारत के आर्थिक विकास को वे पचा नहीं पा रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था ने अप्रैल-जून 2022 तिमाही में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है और वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत 8 प्रतिशत की विकास दर हासिल करने जा रहा है। इस प्रकार भारत न केवल आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था बन गया है बल्कि भारत आज विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, फिर भी इन अर्थशास्त्रियों द्वारा मानव विकास सूचकांक में भारत को श्रीलंका से भी नीचे बताया जाना, आश्चर्य का विषय है। यह विरोधाभास इन अर्थशास्त्रियों को कहीं दिखाई नहीं दे रहा है, जबकि श्रीलंका की हालत तो जगजाहिर है एवं आर्थिक दृष्टि से भारत एवं श्रीलंका की तुलना ही नहीं की जा सकती है। आर्थिक विकास के साथ मानव विकास भी जुड़ा है। भारत में आर्थिक विकास तो तेज गति से हो रहा है परंतु इन अर्थशास्त्रियों की नजर में भारत में मानव विकास में लगातार गिरावट आ रही है। यह एक सोचनीय विषय है।

अभी हाल ही में संयुक्त राष्ट्र डेवलपमेंट प्रोग्राम ने मानव विकास सूचकांक (एचडीआर) प्रतिवेदन 2021-22 जारी किया है। एचडीआर की वैश्विक रैंकिंग में भारत 2020 में 130वें पायदान पर था और 2021 में 132वें पर आ गया है, ऐसा इस प्रतिवेदन में बताया गया है। मानव विकास सूचकांक का आंकलन जीने की औसत उम्र, पढ़ाई और प्रति व्यक्ति आय के आधार पर किया जाता है। कोरोना महामारी के खंडकाल में भारत का इस सूचकांक में निचले स्तर पर आना कोई हैरान करने वाली बात नहीं होनी चाहिए। परंतु, वर्ष 2015 से वर्ष 2021 के बीच भारत को एचडीआर रैंकिंग में लगातार नीचे जाता हुआ दिखाया जा रहा है। जबकि इसी अवधि में चीन, श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई, भूटान और मालदीव जैसे देशों की रैंकिंग ऊपर जाती हुई दिखाई जा रही है। श्रीलंका, बांग्लादेश एवं मालदीव जैसे देशों की आर्थिक स्थिति के बारे में आज हम अनभिज्ञ नहीं हैं।

इसी प्रकार इन अर्थशास्त्रियों द्वारा भारत में गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों की संख्या को भी बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया जा रहा है। इनके अनुसार, भारत के 23 करोड़ लोग प्रतिदिन 375 रुपए से भी कम कमाते हैं। भारत की जनसंख्या यदि 140 करोड़ मानी जाये तो देश की कुल जनसंख्या के 16.42 प्रतिशत नागरिक 375 रुपए से कम कमा रहे हैं, जबकि विश्व बैंक द्वारा हाल ही में इस सम्बंध में जारी किए गए आंकड़े कुछ और ही कहानी कह रहे हैं। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में आज भारत के ऊपर अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी आते हैं। अगर इन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गरीबी के आकंड़े देखें तो कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आते हैं।

सुरक्षित भविष्य के लिए प्रकृति संरक्षण जरूरी

संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर साल 13 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस मनाया जाता है। यह दिन जोखिम-जागरूकता और आपदा में कमी के लिए मनाया जाता है। प्राकृतिक आपदा के नुकसान को कम करने के लिए आज पूरी दुनिया में अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। प्रकृति से छेड़छाड़ को अगर न रोका गया तो पृथ्वी पर जीवों का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस की शुरूआत 1989 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा जोखिम-जागरूकता और आपदा न्यूनीकरण की वैश्विक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए किये गए आह्वान के बाद की गई थी। हर वर्ष 13 अक्टूबर को आयोजित होने वाला यह दिन इसलिए मनाया जाता है कि कैसे दुनिया भर के लोग और समुदाय आपदाओं के प्रति अपने जोखिम को कम कर रहे हैं और उनके सामने आने वाले जोखिमों पर लगाम लगाने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ा रहे हैं। अंधाधुंध वृक्षों की कटाई, मिट्टी का क्षरण और प्रदूषण, जल और वायु प्रदूषण ये सब हमारे वजूद को खतरे में डाल रहे हैं। इसी बात को लेकर जागरूक करने के लिए हर साल 13 अक्तूबर को अंतरराष्ट्रीय प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण दिवस मनाया जाता है। प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस हमारे पर्यावरण में होने वाले परिवर्तनों के नतीजों के बारे में सतर्कता बढ़ाने के लिए सालाना मनाया जाता है। लाखों लोगों को इससे निपटने के लिए आगे आने और उनके प्रयासों के बारे में बात करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि वे इस खतरे को समझ सकें, जिसके कारण लोगों को जान-माल का नुकसान हुआ है। पृथ्वी पर रहने वाले तमाम जीव जंतुओं, पेड़-पौधों और प्राकृतिक संसाधनों को बचाने तथा दुनिया भर में प्रकृति के प्रति जागरुकता बढ़ाने और बचाने के लिए हर साल हम यह दिवस मनाते हैं। इस दिन प्रकृति की रक्षा, उसके संरक्षण और विलुप्ति की कगार पर पहुंच रहे जीव-जंतु तथा वनस्पति की रक्षा का संकल्प लिया जाता है। प्रकृति का संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से सबंधित है। इनमें मुख्यतः पानी, धूप, वातावरण, खनिज, भूमि, वनस्पति और जानवर शामिल हैं। प्रकृति हमें पानी, भूमि, सूर्य का प्रकाश और पेड़-पौधे प्रदान कर-के हमारी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करती है। इन संसाधनों का उपयोग विभिन्न चीजों के निर्माण के लिए किया जा सकता है जो निश्चित ही मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाते हैं। प्रकृति से हमारा तात्पर्य जल, जंगल और जमीन से है। हम लगातार प्रकृति का दोहन करते जा रहे हैं जिससे मानव जीवन संकट में पड़ गया है। जल, जंगल और जमीन के बिना प्रकृति अधूरी है। जल को व्यर्थ में बहा रहे हैं जंगलों को काट रहे हैं और जमीन पर जहरीले कीटनाशक का उपयोग करके उसकी उर्वरक क्षमता और उपजाऊ शक्ति को कमजोर कर रहे हैं। हम एक अर्से से दिवस मना रहे हैं और लोगों को प्रकृति संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद प्रकृति पर मंडराता खतरा जस का तस बना हुआ है। सबसे बड़ा खतरा तो इसे ग्लोबल वार्मिंग से है। धरती के तापमान में लगातार बढ़ते स्तर को ग्लोबल वार्मिंग कहते है। वर्तमान में ये पूरे विश्व के समक्ष बड़ी समस्या के रुप में उभर रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि धरती के वातावरण के गर्म होने का मुख्य कारण का ग्रीनहाउस गैसों के स्तर में वृद्धि है। इसे लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है जिससे प्रकृति पर खतरा बढ़ता जा रहा है। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तिव ही समाप्त हो जाएगा। कहते है प्रकृति संरक्षित होगी तो मानव जीवन भी सुरक्षित होगा। प्रकृति हमारी धरोहर है, इसकी रक्षा करना हमारा कर्त्तव्य है। प्रकृति ने हमें जीव जंतुओं सहित सूर्य, चाँद, हवा, जल, धरती, नदियां, पहाड़, हरे-भरे वन और खनिज सम्पदा धरोहर के रूप में दी हैं। मनुष्य अपने निहित स्वार्थ के कारण प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग कर रहा है। बढ़ती आबादी की समस्या के लिए आवास समस्या को हल करने के लिए हरे-भरे जंगलों को काट कर ऊंची-ऊंची इमारतें बनाई जा रही हैं। वृक्षों के कटने से वातावरण का संतुलन बिगड़ गया है और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या पूरे विश्व के सामने भयंकर रूप से खड़ी है। खनिज-सम्पदा का अंधाधुंध प्रयोग किया जा रहा है। जीव-जंतुओं का संहार किया जा रहा है, जिसके कारण अनेक दुर्लभ प्रजातियां लुप्त होती जा रही हैं। हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम पृथ्वी और उसके वातावरण को बचाने का प्रयास करेंगे। हम पर्यावरण के प्रति न सिर्फ जागरूक हो बल्कि उसके लिए कुछ करें भी। प्रकृति को संकट से बचाने के लिए स्वयं अपनी ओर से हमें शुरूआत करनी चाहिए। पानी को नष्ट होने से बचाना चाहिए। वृक्षारोपण को बढ़ावा देना चाहिए। अपने परिवेश को साफ-स्वच्छ रखना चाहिए। प्रकृति के सभी तत्वों को संरक्षण देने का संकल्प लेना चाहिए।

'भगत' खुश तो बहुत होंगे तुम

एक सज्जन अक्सर पूछा करते थे....मुझसे से भी पूछा करते थे लेकिन जब मुझसे पूछा तो फिर पूछना बंद कर दिया। पूछा करते थे कि, अक्ल बड़ी की भैंस...? उनको कौन उत्तर दे....मुझसे एक दिन पूछ बैठे...मैंने कहा भैंस। उन्होंने कहा, क्यूं.....मैने कहा क्योंकि भैंस कभी यह सवाल नहीं पूछती। यह खुजली तुम्हारी अक्ल में चलती....भैंस तो बिल्कुल परमहंस है सामने। मैं कई भैंसों के सामने कई घंटो खड़ा रहा...कोई भैंस नहीं पूछती की अक्ल बड़ी की भैंस...। उसको पता ही है हम बड़े हैं, क्या पूछना..। फिर उन्होंने नहीं पूछा...मैं अक्सर उनसे कहता था कि पूछो ना...लेकिन उन्होंने फिर कभी नहीं पूछा कि अक्ल बड़ी की भैंस.....। तो यह अक्ल की खुजली कहीं भी कभी भी किसी को भी हो सकती है। नेताओं में यह 'रोग' तेजी से पनप रहा लगता है। समय-समय पर खुजली के लक्षण दिखाई देते रहते हैं। हालिया ऐसे लक्षण उत्तराखंड के एक भाजपा नेता में पाए गए हैं। इनका नाम है बंशीधर भगत.....। भगत सिर्फ नाम के ही भगत है...इनकी देवताओं में कोई रूचि नहीं...अलबत्ता 'देवियों' में सारा संसार नजर आता है। पूर्व मंत्री रह चुके बंशीधर राजनीति के पुराने खिलाड़ी हैं। उनके बारे में यह कहा जाता है कि वे सुर्खियों में रहने के लिए विवादित बयान देते रहते हैं। फिर एक बार ऐसा ही बयान दिया लगता है। हल्द्वानी में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर हुए एक कार्यक्रम में वे कहते हैं, विद्या मांगो तो सरस्वती को पटाओ, बल मांगो-शक्ति मांगो तो दुर्गा को पटाओ और धन चाहिए तो लक्ष्मी को पटाओ। आदमी के पास है क्या, एक शिवजी हैं, वो पहाड़ में पड़े हुए हैं...लत्ते कपड़े कुछ हैं नहीं, ऊपर से गले में सांप पड़ा हुआ है, ऊपर से गंगा जी भी लेकर सिर पर घूम रहे हैं।' भगत यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा, 'और, एक विष्णु भगवान हैं, वो समुद्र की गहराइयों में छिपे हुए हैं। दोनों की बेचारों की आपस में बात भी नहीं होती। तो, महिला सशक्तिकरण तो पूर्व से ही भगवान ने ही कर दिया।' बयान को लेकर लोगों का पारा चढ़ गया है। असल में ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। पिछले कुछ

सालों से देवी-देवता हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन गए हैं। अहम इसलिए कि अब सिर्फ इनकी पूजा ही नहीं होती या जिक्र ही नहीं होता....इनकी जात-बिरादरी भी देखी जाने लगी है। याद होगा, कुछ समय पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भगवान हनुमान की जाति बताकर विवादों में फंस गए थे। उन्होंने अलवर के मालाखेड़ा गांव में एक सभा को संबोधित करते हुए हनुमानजी को वनवासी, दलित और वंचित बताया था। हनुमान के बाद भगवान शिव की जाति पर बिहार में मंत्री रहे बृज किशोर बिंद ने विवादित बयान दिया था। शिव पर सवाल खड़ा करते हुए उन्हें बिंद जाति का बता दिया था। भाजपा नेता बिंद ने शिव पुराण का हवाला देते हुए अपनी बात की पुष्टि भी की। उन्होंने कहा था कि शिव पुराण में लिखा है कि भगवान शिव बिंद जाति के थे। जब भगवान कृष्ण ग्वाल जाति के, भगवान राम क्षत्रीय जाति के हो सकते हैं तो शिव बिंद क्यों नहीं हो सकते। डीयू की एक महिला प्रोफेसर ने भी भगवान शिव के लिए बहुत कुछ अनाप-शनाप कहा लेकिन भगवान शांत रहे...भगवान शांत हैं, ...उन्होंने किसी को सजा नहीं दी। बिहार में सत्ता के उलटफेर में बृजकिशोर बिंद जरूर मंत्री से पूर्व मंत्री हो गए। अब बात उत्तराखंडी भाजपा नेता बंशीधर भगत की। जिंदगी में एक भी लड़की ना पटा पाने का दर्द देवियों को पटाने की बात में झलकता है। शायद वे पुरुष होने की कुंठा से भी ग्रसित हैं तभी तो शिव और विष्णु का उपहास उड़ाते हैं। पर शिव तो शिव है...वे किसी से कुछ नहीं कहते...बारह महीनों कैलाश पर्वत पर मग्न रहते हैं। किसी से कुछ नहीं मांगते....देते ही देते हैं। भगत को भी बहुत कुछ दिया है...चलती सांसे इस बात का प्रमाण है कि महादेव रुष्ट नहीं हैं, अन्यथा तो शिव कुपित हुए तो उन्हें उनका हाईकमान भी नहीं बचा सकता। भगवान विष्णु की कृपा भी भगत पर बनी हुई है। भगवान विष्णु आनंद सागर में प्रसन्न हैं, वे कतई भगत को तंग नहीं करते कि उनके स्मार्ट फोन पर भगवान शिव से बात करा दें या जुगाड़ कर कोई नया फोन दिला दें। नारायण और शिव को तो जब भी मिलने की तलब होती है....अपने-अपने वाहनों पर सवार होकर पहुंच जाते हैं लेकिन किसी 'भगत' को परेशान नहीं करते....नहीं कहते कि हवाई जहाज की व्यवस्था करो अथवा मोटरकार लेकर आओ.....इन्हें तो जब मिलना होता है..बिना लाग लपेट के मिल लेते हैं। डॉयलाग्स पर गौर करेंगे तो पाएंगे कि वे पुरुष होने की कुंठा से ग्रसित हैं। उनका दर्द महिलाओं को लेकर ज्यादा है। वे सरस्वती को पटाने की बात करते हैं....वे लक्ष्मी को पटाने की बात करते हैं...वे दुर्गा को पटाने की बात करते हैं। संभव है पटने-पटाने की इस कड़ी में कभी उनका सामना 'दुर्गा' से हो गया हो....और इसी दुर्गा ने उन्हें 'दुर्गा' का अहसास करा दिया हो और उन्होंने खुद को असहाय पाया हो...। मुमकिन है सरस्वती के मामले में भी ऐसा ही हुआ हो....जैसे-तैसे डिग्री ले ली हो। अंको के मामले में वे तरसते ही रहे हों...अलबत्ता, 'लक्ष्मी' को देखकर लगता है कि उनकी कुंडली में योग प्रबल रहा होगा। गर, सरस्वती मेहरबान होतीं तो वे कभी पटाने की बात ना कहते....और कोई दर्द जवानी के दिनों का ना रह गया होता तो वे कभी 'दुर्गा' को बीच में ना लाते। तिलकधारी भगत को यह शोभा नहीं देता कि वे बाजारू शब्द को देवियों के साथ जोड़ें। लेकिन उनकी भाषा से लगता है कि वे 'दुर्गा' और 'सरस्वती' के मामले में कंगाल रहे हैं। तभी तो देवियों को सम्मान की बजाए पटाने की बात कहते हैं। सब जानते हैं कि सनातन संस्कृति में हर बाला को देवी स्वरूपा माना गया है। ये रूप कुछ भी हो सकते हैं....'दुर्गा'..'सरस्वती' या 'लक्ष्मी' का....। नवरात्र में तो कन्याओं को पूजने का विधान है। ऐसे में वे किस 'दुर्गा'..'सरस्वती' अथवा 'लक्ष्मी' को पटाने की बात कर रहे हैं....यह तो वे ही जानें!

पुलिस के 95 अधिकारियों व कर्मचारियों को डीजीपी ने किया सम्मानित

जयपुर। महानिदेशक पुलिस एम एल लाठर ने बुधवार को प्रातः पुलिस मुख्यालय में आयोजित समारोह में प्रदेश के 95 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुलिस पदक, अति उत्कृष्ट सेवा पदक, उत्कृष्ट सेवा पदक, अन्वेषण में उत्कृष्टता हेतु केंद्रीय गृहमंत्री पदक एवं डीजीपी डिस्क प्रशस्ति रोल, प्रदान कर सम्मानित किया। इनमे 39 आईपीएस अधिकारी शामिल हैं।

लाठर ने सम्मनित होने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे भविष्य में भी लगन व निष्ठा से कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस कर्मियों की ततपरता व मेहनत का ही परिणाम है कि लगभग सभी आपराधिक मामलों में दोषियों को सजा मिल रही है। उन्होंने विधि **विज्ञान**

प्रयोगशाला के कार्यों की भी सराहना की। लाठर ने पुलिस पदक अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन, महानिरीक्षक पुलिस जोस मोहन एवं कॉन्स्टेबल मन मदन नायर को प्रदान किया। अति उत्कृष्ट सेवा पदक से पुलिस आयुक्त जोधपुर रविदत्त गौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राम सिंह, सरजीत सिंह (सेवानिवृत्त) एवं

महावीर प्रसाद (सेवानिवृत्त) एवं उत्कृष्ट सेवा पदक से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपत चन्द, बृजेन्द्र भाटी एवं महेंद्र कुमार भगत को सम्मानित किया गया।महानिदेशक ने अन्वेषण में उत्कृष्टता हेतु 22 अधिकारियों व कर्मचारियों केंद्रीय गृहमंत्री पदक प्रदान किये। इनमे महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंचल मिश्रा व अनंत कुमार, पुलिस उप अधीक्षक सुरेश शर्मा, अनिल कुमार डोरिया, सूर्यवीर सिंह, प्रशांत कौशिक, राजेश यादव, एवं दरजा राम बोस, पुलिस निरीक्षक दिनेश लखावत, अशोक आंजणा, अरुण कुमार, सुरेंद्र सिंह राणावत, रघुवीर सिंह, महावीर सिंह राठौड़, पवन कुमार चौबे,

संतरा मीणा, रविंद्र सिंह, पुलिस उप निरीक्षक तेजू सिंह व

मलकीत सिंह

एवं हेड कांस्टेबल भवानी सिंह शामिल हैं।

- 36 आईपीएस सहित 63 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी को डीजीपी डिस्क

लाठर ने अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा, आनंद कुमार श्रीवास्तव, सुष्मित बिश्वास व विजय कुमार सिंह, महानिरीक्षक पुलिस विपिन कुमार पांडेय, रूपिंदर सिंघ, लता मनोज कुमार, रवि दत्त गौड व गौरव श्रीवास्तव, उपमहानिरीक्षक पुलिस अशोक कुमार गुप्ता, डॉ रवि, राहुल कोटोकी, विकास पाठक, डॉ राहुल जैन, ओम प्रकाश द्वितीय, राजेश सिंह व राजेंद्र प्रसाद गोयल, पुलिस अधीक्षक कुंवर राष्ट्रदीप, आनंद शर्मा, गौरव यादव, भुवन भूषण यादव, राशि डोगरा डूडी, ममता गुप्ता, पूजा अवाना, शांतनु कुमार सिंह, धर्मेंद्र सिंह, मृदुल कच्छावा, डॉदीपक यादव, हर्षवर्धन अग्रवाला, अमृता दुहन, मनीष त्रिपाठी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान आईपीएस, अमित कुमार आईपीएस व कुंदन कांवरिया आईपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित व वनिता शर्मा, पुलिस उप अधीक्षक विजय सिंह, पुलिस निरीक्षक मनोज कुमार जैन, परवेज आलम व उम्मेद सिंह, हेड कांस्टेबल बृज मोहन निठारवाल, कॉन्स्टेबल बद्री नारायण, किशना राम व राजेंद्र सिंह को डीजीपी डिस्क व प्रशस्ति रोल प्रदान किया। निदेशक राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला डॉ अजय शर्मा, सहायक निदेशक डॉ राजेश कुमार व आनंद कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ अजय कुमार टीलावत, कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक डॉ हरिनारायण रेगर एवं डॉ शिवकुमार, प्रयोगशाला सहायक रमेश कुमार जांगिड़, अशोक कुमार बेरवा एवं कपिल कुमार कलवार, प्रशासनिक अधिकारी पूरण चंद कानव, सहायक प्रशासनिक अधिकारी अनिल कुमार कौशिक, गिरधारी लाल, वरिष्ठ सहायक किशोरी लाल, केशव माथुर, विक्रम सिंह यादव व शंकर लाल मीणा एवं निजी सहायक अशोक कुमार शर्मा को भी डीजीपी डिस्क व प्रशस्ति रोल प्रदान किया गया। महानिदेशक इंटेलिजेंस उमेश मिश्रा भी इस अवसर पर मौजूद रहे। प्रारम्भ में अतिरिक्त महानिदेशक अनिल पालीवाल ने डीजीपी एव अधिकारियों का स्वागत किया। महानिरीक्षक एस परिमाला ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर पुलिस मुख्यालय के अधिकारीगण मौजूद रहे।

पुलिस पदक प्राप्त करता देख भावुक हुए एडीजी दिनेश एमएन के माता-पिता

डीजीपी एम एल लाठर ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय में आयोजित अलंकरण समारोह में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले 39 आईपीएस समेत 95 अधिकारियों व कार्मिकों को डीजीपी डिस्क, प्रशस्ति रोल, पुलिस पदक उत्कृष्ट एवं अति उत्कृष्ट सेवा पदक और केंद्रीय गृह मंत्री पदक प्रदान कर सम्मानित किया। पुलिस पदक से सम्मानित होने वालों में एसीबी एडीजी दिनेश

एमएन भी थे। इस मौके पर उनके पिता कर्नाटक के रिटायर्ड तहसीलदार नारायण स्वामी वी एवं मां गौरम्मा भी उपस्थित थे। अपने पुत्र को पदक प्राप्त करता देख वे भावुक हो गये ओर उनकी आंखों में भी प्रसन्नता की चमक आ गई। उल्लेखनीय है कि दिनेश मुनागना हल्ली नारायण स्वामी को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा इन्हें विशिष्ट पहचान, निडरता और निष्पक्षता के लिए पुलिस पदक हेतु चुना गया था। इन्होंने एसीबी राजस्थान में रहते हुए अवैध खनन घोटाले एवं एनएचएम रिश्वत प्रकरण में दो आईएएस समेत अन्य की गिरफ्तारी के अलावा तीन आरएएस, दो भारतीय इंजीनियरिंग सेवा, एनएचएम के मुख्य अभियंता समेत कई लोक सेवकों को गिरफ्तार कर भ्रष्टाचार के मामले दर्ज किए। आईजी एसओजी के रूप में इन्होंने मोस्ट वांटेड गैंगस्टर आनंदपाल सिंह मुठभेड़ के समय सक्रिय रहे ओर पुलिस से लूटी गई दो एके-47 बरामद कर गिरोह के लगभग 100 सदस्यों को गिरफ्तार किया तथा 150 करोड़ रुपये की सम्पत्ति जब्त की। पिनकॉन समूह में करीब 800 करोड़ की धोखाधड़ी का खुलासा किया। 27 साल की सेवाओं में एडीजी दिनेश एम एन ने कई डकैतों और इनामी अपराधियों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राज्य के आमजन में भी इनकी छवि एक निष्पक्ष व निडर पुलिस अधिकारी के रूप में है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम व जलदाय डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया

जियोफिजिकल, पेट्रोलोजी एवं रिमोट सेंसिंग गतिविधियां होंगी सुदृढ

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस, पेट्रोलियम व जलदाय डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया है कि राज्य में करीब दो करोड़ 65 लाख रु. की लागत से जियोफिजिकल, पेट्रोलोजी एवं रिमोट सेंसिंग गतिविधियों को और अधिक प्रभावी और सुदृढ बनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस पर होने वाले व्यय को राजस्थान स्टेट मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट सेकिया जाएगा। एसीएस माइंस डॉ. सुबोध अग्रवाल बुधवार को सचिवालय में राजस्थान राज्य खनिज अन्वेषण ट्रस्ट आरएसएमईटी की कार्यकारी समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने बताया कि जियोफिजिकल के सुदृढीकरण से अधिक गहराई में उपलब्ध मिनरल्स की संभावित क्वांटिटी, क्वालिटी आदि का वैज्ञानिक तरीके से विश्लेषण किया जा सकेगा वहीं पेट्रोलोजी के सुदृढ़ीकरण से मिनरल रॉक्स के चिन्हीकरण का कार्य और अधिक प्रभावी तरीके से हो सकेगा। उन्होंने बताया कि इसी तरह से रिमोट सेंसिग के सुदृढ़ीकरण से ड्रोन आदि अत्याधुनिक साधनों के उपयोग के माध्यम से किस क्षेत्र में कौन-कौन से संभावित मिनरल्स है इसका विश्लेषण किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि इसके लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई है। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि में राजस्थान राज्य खनिज अन्वेषण ट्रस्ट आरएसएमईटी का गठन राज्य में खनिज पूर्वेक्षण एवं अन्वेषण, विभागीय सुदृढीकरण और तकनीकी नवाचार, तकनीकी परामर्श, लाजिस्टिक सपोर्ट और बिजनेस डवलपमेंट के उद्देश्य से

किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में विभिन्न स्थानों से लिए गए खनिजों के नमूनों का विश्लेषण कराने के लिए हैदराबाद की एनएबीएल प्रयोगशाला को 2366 नमूनों का विश्लेषण करवाया गया है जिसमें से 1990 नमूनों की विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। इसी तरह से इसी कोष से शाहबाद के लाईमस्टोन के 44 सैंपल्स का विश्लेषण करवाया गया है। एसीएस डॉ. सुबोध अग्रवाल ने कहा कि राज्य में खनिज खोज अन्वेषण कार्य को और अधिक गति देने के लिए में राजस्थान राज्य खनिज अन्वेषण ट्रस्ट आरएसएमईटी के वित्तीय सहयोग से कार्ययोजना तैयार की जा रही है। उन्होंने बताया कि इससे राज्य सरकार के वित्तीय सहयोग की निर्भरता कम होगी वहीं नेशनल मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट का वित्तीय सहयोग भी राज्य में खनिज खोज गतिविधियों को विस्तारित करने के लिए प्राप्त किया जा सकेगा। निदेशक माइंस प्रदीप गवांडे ने बताया कि आरएसएमईटी के माध्यम से नए खनिज क्षेत्रों के खोज और ऑक्शन के लिए तैयारी का कार्य किया जा रहा है। वहीं खान व भूविज्ञान विभाग को तकनीकी दृष्टि से सक्षम बनाने के लिए आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। आरएसएमईटी के सीईओ एनपी सिंह ने पीपीटी के माध्यम से विस्तार से गतिविधियों, निर्णयों के क्रियान्वयन और भावी कार्ययोजना की जानकारी दी। कार्यकारी समिति की बैठक में उपसचिव नीतू बारुपाल, रीजनल कंट्रोलर आईबीएम, उपमहानिदेशक राज्य इकाई जियोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, एसजी संजय दुबे, अतिरिक्त निदेशक भूविज्ञान जयपुर आलोक जैन, एचओडी एमईसीएल के साथ ही अतिरिक्त निदेशक माइंस उदयपुर, जोधपुर, कोटा, अतिरिक्त निदेशक भू विज्ञान उदयपुर,जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा आदि ने हिस्सा लिया।

तिजारा श्री क्षेत्रपाल भैरव मंदिर में पूजा अर्चना वह आशीर्वाद लेकर मनाया जन्मदिवस

मरुधर विशेष राकेश सैनी

तिजारा समाजसेवी राकेश यादव ने भैरव मंदिर में पूजा अर्चना कर भैरव बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया लिया वह अपना जन्मोत्सव मनाया। कोरोना महामारी के मसीहा व सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने वाले भाजपा नेता राकेश यादव के जन्मदिन पर तिजारा विधानसभा के लोगों ने दी खूब बधाई। राकेश यादव कोरोना जैसी बीमारी में भी लोगों को मदद से पीछे नहीं हटे दवाई व्यवस्था हो या भोजन व्यवस्था हो , सब तरह की व्यवस्था में कोरोना काल महामारी में गरीबों के मसीहा राकेश यादव के जन्मदिन पर लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया पूजा अर्चना कि तिजारा हनुमान बगीचीमंदिर श्री क्षेत्रपाल भैरव मंदिर मैं पूजा अर्चना की मंदिर के महंत ने केसरिया शॉल उढाकर राकेश यादव का सम्मान किया उसके बाद, लोगों ने भारी तादाद में उनके निवास स्थान पर पहुंचकर बधाई दी मास्टर ओमप्रकाश गुप्ता ने गुलदस्ता देकर सम्मानित किया अध्यक्ष सार्वजनिक अभिनय तिजारा विष्णु दत्त गोड ने भगवान श्री कृष्ण की तस्वीर देकर सम्मान किया सुधांशु गौतम ने माला पहनाकर सम्मान किया और बधाई दी डब्बू जैन ने मुंह मीठा कराया उमंग जैन ने बधाई दी इंदर सिंह दहिया मातादीन जांगिड़ विनोद सैनी राकेश सैनी केशव दत्त शर्मा सतवीर यादव चिराग सैनी के बी यादव सोमदत्त सैनी संजय अग्रवाल सतपाल सैनी विक्रम सैनी राजेंद्र सैनी , पंडित सोहन लाल शर्मा अशोक अग्रवाल हरि नारायण शर्मा हिमांशु कटारिया निरंजन सेन आधी लोगों ने बधाई देकर खुशी जाहिर की।

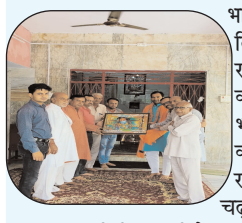

ग्राम पंचायत साथिन ललिता कुमारी ने एसएचजी समूह की बैठक में महिलाओं को दी योजनाओं की जानकारी

मरुधर विशेष /दिनेश लेखी

कठूमर । उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत कुट्टी साबदास में महिला अधिकारिता विभाग की ग्राम पंचायत साथिन ललिता कुमारी ने एसएचजी समूह की बैठक आयोजित कर महिलाओं को जानकारी कराई। ग्राम पंचायत पंचायत साथिन ललिता कुमारी ने बताया कि सभी महिलाओं को बैठक कर एसएचजी समूह की महिलाओं को बचत एवं लेनदेन व सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाएं के बारे में अवगत कराया। जो कि इंदिरा महिला शक्ति योजना में जैसे आरएससीआईटी, आरएससीएफए, शिक्षा सेतु, कौशल, सामर्थय उधम प्रोत्साहन योजना और महिला अधिकारिता विभाग की अनेक योजनाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध कराएं

ऑल राजस्थान प्राइवेट कॉलेज फेडरेशन कार्यकारिणी का हुआ गठन

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

बानसूर उपखंड के निकटवर्ती कस्बा नारायणपुर के हेमलता मेमोरियल गर्ल्स पीजी कॉलेज में ऑल राजस्थान प्राइवेट कॉलेज फेडरेशन अलवर की प्रबंधक कार्यकारिणी के बानसूर ब्लाक व थानागाजी ब्लाक के सदस्यों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ । अलवर प्रबंधक कार्यकारिणी के बानसूर ब्लॉक एवं थानागाजी के सदस्यों का निर्वाचन हुआ जिसमें बानसूर ब्लॉक से डॉ. करण सिंह, डॉ.अजय कुमार व अभिषेक यादव निर्विरोध निर्वाचित हुए। वहीं थानागाजी ब्लॉक से शिशुपाल यादव ,सुरेश शर्मा और अशोक यादव निर्विरोध निर्वाचित हुए। सभी नवनिर्वाचित सदस्यों का हेमलता मेमोरियल गर्ल्स पीजी कॉलेज की ओर से माला और साफा पहनाकर स्वागत किया गया। निर्वाचन अधिकारी एडवोकेट विकास कुमार गुप्ता ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को निर्वाचन प्रमाण पत्र सौंपे। इस अवसर पर बानसूर ब्लॉक, थानागाजी व नारायणपुर के समस्त महाविद्यालय निदेशक, प्राचार्य और संस्था की प्रबंधक कार्यकारिणी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

कस्बे में दिनेश लेखी पत्रकार का सर्व समाज के युवाओं ने मनाया जन्मदिन

मरुधर विशेष /दिनेश लेखी

कठूमर। उपखंड मुख्यालय पर होन्डा शोरूम पर बुधवार को सरपंच शेरसिंह मीणा के मुख्य सानिध्य में दिनेश लेखी पत्रकार का जन्मदिन मनाया गया।उप सरपंच प्रतिनिधि श्यामसुंदर ने बताया कि कस्बे के जुझारू, कर्मठ, युवा पत्रकार दिनेश लेखी का जन्मदिन जाटव समाज के अध्यक्ष महेश जाटव के द्वारा सरपंच शेरसिंह मीणा के सानिध्य में सभी वर्ग के युवाओं ने केक काटकर एवं मिठाई खिलाकर जन्मदिन मनाया गया। सभी लोगों ने गिफ्ट एवं साफा बंधन व माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया। वही दिनेश लेखी पत्रकार ने सभी युवाओं एवं सरपंच शेरसिंह मीणा का आभार व्यक्त कर धन्यवाद दिया।इस मौके पर कठूमर सरपंच शेरसिंह मीणा, जाटव समाज अध्यक्ष महेश जाटव, उप सरपंच प्रतिनिधि श्याम सुंदर, भाजपा के युवा नेता सतीश पाराशर, विन्ना मसारी, नरेंद्र चौधरी मसारी, डॉक्टर गुल्लू दुरेजा समाजसेवी,विष्णु शर्मा अरूर्वा, बलराम शर्मा अरूर्वा, हरवीर शर्मा अरूर्वा, हीरालाल जाटव , खिच्चूराम, वीरेंद्र मेंबर ,योगेश एवं अशोक वकील मौजूद रहे।

ग्राम साथिन सरोज ने विद्यालय की बालिकाओं को बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ की दिलाई शपथ

मरुधर विशेष /दिनेश लेखी

कठूमर। अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर ग्राम पंचायत टिटपुरी में साथिन सरोज के द्वारा उच्च माध्यमिक विद्यालय में बेटी बचाओ बेटी पढाओ की शपथ दिलाई।ग्रामपंचायत शासन साथिन सरोज ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के मौके पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शिवपुरी में उपस्थित सभी बालिकाओं को घूंघट प्रथा बाल विवाह एवं बचत योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई तथा विद्यालय में ही सभी बालिकाओं को इस बाबत शपथ दिलाई गई।वही साथ ही पीसीपीएनडीटी एक्ट की जानकारी हेतु बच्चियों को बताया गया।

सिलिकोसिस बीमारी को लेकर राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का बड़ा फैसला बीमारी की रोकथाम के लिए पूरे प्रदेश में 3 महीने तक चलेगा अभियान

मरुधर विशेष युवराज शर्मा

सिलिकोसिस बीमारी के लिए गहलोत सरकार ने बड़ा फैसला लिया है' इस बीमारी की रोकथाम के लिए पूरे प्रदेश में तीन महीने तक अभियान चलेगा' सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि प्रदेश में नीति लागू होने के बाद जितनी आशा थी उतना काम नहीं हुआ,इसलिए इसी सप्ताह से अभियान चलाया जाएगा' उन्होंने कहा कि सरकार ने 5 लाख तक का मुआवजे का एलान किया हुआ है लेकिन हम ये चाहते है कि किसी भी श्रमिक को ये बीमारी हो ही ना' सिलिकोसिस को लेकर जूली ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश उन्होंने कहा है कि मैने अधिकारियों से कहा है कि मुझे विभाग के आकड़ो से मतलब नही है,सिर्फ काम चाहिए क्योकि यदि ये बीमारी किसी भी श्रमिक को हो जाती है तो इसका उपचार नही है इसलिए सरकार ने नीति लागू की और इस दिशा में लगातार काम कर रही है'मंत्री ने मीटिंग में निर्देश दिए है कि माइंस, लेबर डिपार्टमेंट के सहयोग से अभियान को सफल बनाया जाए. तीन महीने बाद फिर से सिलिकोसिस को लेकर मीटिंग होगी. जिसमे अभियान की समीक्षा की जाएगी कि इसमें कितना काम हुआ'

धोखाधड़ी पूर्वक कूट रचित दस्तावेज तैयार कर भूखंड का बेचान करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

कार्यालय जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण पुलिस थाना अमरसर की कार्रवाई

क्राइम रिपोर्ट/महावीर सिंह चौहान

2021/ 10 सितंबर को मुस्तगीसा कुमारी कुसुम सांखला पुत्री श्री रतन सिंह जाति राजपूत निवासी तिरुपति विहार वार्ड नंबर 1 माचढ़ा जिला जयपुर में उपस्थित थाना होकर एक रिपोर्ट इस आशय की पेश की कि ग्राम अमरसर पटवार हल्का , अमरसर तहसील शाहपुरा , जिला जयपुर में स्थित आराजी खसरा नंबर 659 में 1/2 हिस्से पर धर्मेंद्र सिंह शेखावत पुत्र श्री अर्जुन सिंह शेखावत, पता-40 , बालाजी विहार अनोखा गांव होटल के पास, सीकर रोड जयपुर जिला , के द्वारा एक आवासीय कॉलोनी गणेश नगर तृतीय चौकी का वड़िया , अजीतगढ़ रोड पर सूरजपोल गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड जयपुर राजस्थान पंजीयन क्रमांक 2235/एल से मिलकर सर्जित की गई ।उक्त धर्मेंद्र सिंह द्वारा उक्त वर्णित भूमि को सोसायटी में समर्पण कर स्वयं सयोजक बन भूमि में आवासीय भूखंडों का आवंटन किया ।जिसमें से प्लॉट नंबर 20 का कुल क्षेत्रफल 138.88 वर्ग गज को दिनाँक 4/2014 को प्रतिफल प्राप्त कर मेरे नाम से आवंटित कर कब्जा सुपुर्द कर दिया । उक्त आवासीय योजना संयोजक धर्मेंद्र सिंह शेखावत ने चैन सिंह शेखावात से सांझ कर मेरे उक्त भूखण्ड के फर्जी पट्टा रामेश्वरी देवी पत्नी प्रभु जाट निवासी 28, बगड़ कलवनियो का बास , तहसील शाहपुरा जिला जयपुर को बेचान कर फर्जी तरीके से कब्जा सुपुर्द कर दिया आदि रिपोर्ट पर प्रकरण संख्या 420,467,468,471 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया ।

इस प्रकरण में किया गया पुलिस का प्रयास

प्रकरण हाजा के अनुसंधान से मुलजिम चैन सिंह के विरुद्ध धारा 420 467 468 471 आईपीसी का अपराध प्रमाणित पाया जाने पर प्रकरण हाजा में रुहपोश चल रहे मुलजिम की गिरफ्तारी हेतु मनीष अग्रवाल द्वित्य आईपीएस जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण के मार्गदर्शन एवं कुशल नेतृत्व में श्री विद्या प्रकाश अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय कोटपूतली तथा श्री सुरेंद्र सिंह कृष्णनिया व्रत अधिकारी व्रत शाहपुरा के निकटतम सुपरविजन में अशोक कुमार उप निरीक्षक थाना अधिकारी पुलिस थाना अमरसर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया जाकर तलाश प्रारंभ की गई । गठित टीम द्वारा संकलित आसूचना के माध्यम से अथक प्रयास कर प्रकरण हाजा में मुलजिम चैन सिंह को गिरफ्तार किया गया ।

गिरफ्तार किया गया अभियुक्त

चैन सिंह पुत्र स्वर्गीय हरिद्वार सिंह ,जाति राजपूत ,उम्र 54 साल निवासी रायपुरिया थाना रानोली , जिला सीकर, राजस्थान

गठित पुलिस टीम का विवरण

अशोक कुमार उप निरीक्षक थाना अधिकारी पुलिस थाना अमरसर, बहादुर मल सहायक उप निरीक्षक पुलिस थाना अमरसर, रामअवतार कांस्टेबल पुलिस थाना अमरसर, राजेंद्र कॉन्स्टेबल पुलिस थाना अमरसर जिला जयपुर ग्रामीण ।

हर कर्मचारी अपने कार्य को समय पर पूरा करें -उद्योग मंत्री रावत

मरुधर हिन्द/ रमाकान्त शर्मा

बानसूर कस्बा स्थित पंचायत समिति सभागार में बुधवार को साधारण सभा की बैठक का आयोजन किया गया। साधारण सभा की बैठक में उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने जनप्रतिनिधि व आमजन की समस्याओं को सुना। सभा के दौरान आये जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र की विभागों से जुड़ी समस्याओं को दर्ज करवाया। इस दौरान साधारण सभा में जीएसएस अध्यक्ष ताराचंद गुर्जर बिजली विभाग के ऐईएन पर पैसे लेने का आरोप लगाया, तो वहीं गिरूड़ी सरपंच ने 2 महीने से गांव में बिजली का ट्रांसफर जला हुआ है लेकिन विभाग की ओर से अभी तक ट्रांसफार्मर नहीं लगाया गया की शिकायत की, मुगलपुर में जिला पार्षद चंदेला ने मुख्य सड़क पर ब्रेकर लगवाने की मांग की । पंचायत समिति सदस्य राम मित्तल ने हरसोरा स्टैण्ड पर अवैध रूप से बनी दूकानों व उनमें से करीब 40 दुकानों में बिजली चोरी होने का आरोप लगाया, कल्याणपुरा सरपंच हरफूल मीणा ने लाइनों में रोजाना फाल्ट होने की शिकायत की, रामपुर सरपंच मुकेश जिलोवा व ग्रामीणों द्वारा कस्बे में रोड लाइट और नवनिर्मित सीएससी में डीपी न होने की शिकायत की । जनप्रतिनिधियों की समस्याओं को लेकर उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने मौके पर ही बिजली विभाग, पीएचडी विभाग और पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए। इस दौरान उधोग मंत्री ने अधिकारियों को लताड़ लगाते हुए कहा की जो काम करेगा वहीं बानसूर में रहेगा वरना अपना बोरी- बिस्तर तैयार रखें। साधारण सभा की बैठक में जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र में बिजली पानी और सड़क की समस्याओं को लेकर मुद्दे उठाए। और अधिकारियों पर कार्य नहीं करने व लापरवाही के आरोप भी लगाये ।जिस पर उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने अधिकारियों को साधारण सभा की बैठक में ही जमकर लताड़ लगाई।

सभा में मंत्री ने अधिकारियों को सात दिवस में जनप्रतिनिधियों व आमजन की समस्याओं का समाधान करने के सख्त निर्देश दिए। उद्योग मंत्री ने अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अगर बानसूर में रहना है, तो आमजन और जनप्रतिनिधियों की समस्याओं का सीमित समय में ही समाधान करना होगा। उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी विभाग के अधिकारी हर सप्ताह कार्य की रिपोर्ट मुझे भेजें । यदि लापरवाही बरती गई तो अपना सामान बांधकर तैयार रहे और जनप्रतिनिधियों से भी कहा की उस समय कोई किसी की सिफारिश लेकर मेरे पास नहीं आयेगा। मुझे काम चाहिए हर हालत में बाकी सब जनता पर छोड़ देती हूं की वो आगे मेरे इस रवैये से क्या फैसले लेती है।

हरसौरा सीएचसी भवन निर्माण के लिए ग्राम पंचायत ने चिकित्सा विभाग को 5 बीघा जमीन का पट्टा सौंपा

मरुधर हिन्द/ रमाकान्त शर्मा

बानसूर उपखंड के कस्बा हरसौरा के आदर्श सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जो की हाल ही में पीएचसी से सीएचसी में क्रमोन्नत हुआ है। जिसके सीएचसी भवन निर्माण के लिए जमीन कम पड़ रही थी जिसको लेकर बुधवार को बानसूर उपखण्ड अधिकारी राहुल सैनी, पंचायत समिति प्रधान सुमन सुभाष यादव व बीसीएमएचओ डा. मनोज यादव को हरसौरा सरपंच धोली देवी व रमेश अंबावता ने सीएचसी भवन निर्माण के लिए 5 बीघा जमीन का पट्टा सौंपा। बीसीएमएचओ ने कहा कि विभाग को जल्द ही पट्टा भेजकर भवन निर्माण की कार्यवाही शुरू करवा दी जायेगी। इससे पहले इस अवसर पर ग्राम पंचायत हरसोरा द्वारा आये हुए अतिथियों का फूल माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान एसडीएम राहुल सैनी ने कहा कि ग्राम पंचायत हरसौरा में सीएचसी भवन निर्माण के बाद स्थानीय व आस-पास के लोगों को गांव में ही सीएचसी लेवल के ईलाज की सुविधा मिलेगी। जिससे उनका समय पर ही ईलाज हो सकेगा। फिर उन्हें बानसूर मुख्यालय आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस दौरान एसडीएम राहुल सैनी, पंचायत समिति प्रधान सुमन सुभाष यादव, बीसीएमएचओ डा. मनोज यादव, डॉ दीपक नारंग, सरपंच बबीता कंवर,पंचायत समिति एईएन ओमप्रकाश सैनी, ग्राम विकास अधिकारी संजय शर्मा, राहुल अंबावत, प्रदीप यादव पंचायत समिति सदस्य,कमल मीणा, महेश रोहिला, हरि मालावत, कर्ण यादव, रतनलाल भारद्वाज, गुरदयाल गुर्जर , मनोज सैनी, विकास जांगिड़, कृष्ण जांगिड़, ओमप्रकाश,रवि शर्मा, अनिल ,बबली सैनी, भवानी छिलवाल, मुकेश,रामकरण,नरेश सुबेदार,मदन मीणा, चेतराम अध्यापक, पप्पूराम भेड़ी, दलीपसिंह सहित ग्रामीण मौजूद रहें।

जिला स्तरीय इंकलाइन बैंच प्रेस प्रतियोगिता 16 अक्टूबर 2022 रविवार को

मरुधर विशेष रुपेश शर्मा

अलवर जिला स्टेज्न्थ लिफ्टिंग एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अंकित कौशिक के नेतृत्व में मीटिंग आयोजित की गई जिसमें अलवर जिला स्टेज्न्थ लिफ्टिंग एसोसिएशन के तत्वाधान में आमागी दिनांक 16 अक्टूबर 2022 रविवार को बाल विहार स्कूल, कम्पनी बाग के सामने अलवर में जिला स्तरीय इंकलाइन बैंच प्रेस प्रतियोगिता का आयोजित किये जाने का निर्णय लिया।

> जिला स्टेज्न्थ लिफ्टिंग एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अंकित कौशिक के नेतृत्व में मीटिंग आयोजित की गई जिसमें अलवर जिला स्टेज्न्थ लिफ्टिंग एसोसिएशन के तत्वाधान में आमागी दिनांक 16 अक्टूबर 2022 रविवार को बाल विहार स्कूल, कम्पनी बाग के सामने अलवर में जिला स्तरीय इंकलाइन बैंच प्रेस प्रतियोगिता का आयोजित किये जाने का निर्णय लिया।

जिलाध्यक्ष अंकित कौशिक ने बताया कि इस प्रतियोगिता में सब जूनियर, जूनियर, सीनियर व मास्टर्स महिला व पुरूष सभी कैटेगरी के प्रतिभागी भाग लेंगे। जिला सचिव नीरज कपूर ने बताया कि दिनांक 16 अक्टूबर को प्रातः 8 बजे से 9 बजे तक प्रतिभागियों का वजन लिया जाएगा उसके पश्चात विधिवत रूप से प्रतियोगिता का आयोजन प्रारम्भ किया जाएगा। आज एसोसिएशन मीटिंग में राहुल यादव, गोलू पहलवान, विजय बाली, समन ओबरॉय, संदीप बेनीवाल, शाहिद खान आदि शामिल रहे।

महिला अधिकारिता विभाग की ग्राम साथिन रुचि रानी ने बालिकाओं को बताया बालिका दिवस का महत्व

मरुधर विशेष /दिनेश लेखी

कठूमर। महिला अधिकारिता विभाग की ग्राम साथिन रुचि रानी के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 11 को मनाया गया। साथिन रुचि रानी ने बताया कि बालिका दिवस का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण और उन्हें उनके अधिकार प्रदान करने में मदद करना ताकि दुनिया भर में उनके सामने आने वाली चुनौतियों का सामना कर सके अपनी जरूरतों को पूरा कर सकें। वर्षों से गिरते लिंगानुपात के कारण महिलाओं में बालिकाओं के प्रति भेदभाव पैदा हुआ है। महिला की सुरक्षा और सशक्तिकरण सुनिश्चित हो सके इसके लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के बारे में विस्तार से समझाया। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस को मनाने का उद्देश्य बालिकाओं को जागरूक करना अपने अधिकारों के लिए अपनी सुरक्षा और बराबरी के लिए जिससे वह आने वाले सभी चुनौतियां और परेशानियों का डटकर मुकाबला कर पाएंगे यह देख सर इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह लिंग आधारित चुनौतियों को समाप्त करता है जिसका सामना दुनिया भर में लड़कियां करती हैं जिसमें बाल विवाह उनके प्रति भेदभाव और हिंसा शामिल हैं लीगल स्टडी एक आवश्यक विषय के रूप में बच्चों को जरूर पढ़ाया जाना चाहिए जिससे एक और एक स्तर तक आने से पहले लोग इनका इस्तेमाल करना सीख जाए साथ ही बचपन से ही सही और गलत का ज्ञान सभी बालक बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा व शारीरिक शिक्षा का ज्ञान देना अनिवार्य कर देना चाहिए जिससे बालिकाओं को आत्मरक्षा के लिए किसी पर निर्भर ना होना पडे।

राजकीय उच्च प्राथमिक विधालय मग्घा की छात्रा को जिला स्तर पर मिला सम्मान

मरुधर विशेष / नरेन्द्र शास्त्री

उदयपुर_ बालिका दिवस के अवसर पर शिक्षा विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रम मेरी बेटी मेरा अभिमान के तहत उन बालिकाओं को जिला स्तर पर सम्मानित किया गया जिन्होंने चित्रकला, निबंध आदि प्रतियोगिता मे ब्लॉक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था ` राजकीय उच्च प्राथमिक विधालय मग्घा की छात्रा सोनम गोस्वामी को जिला स्तर पर प्रशस्ती पत्र, कैफ व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया , नरेन्द्र शास्त्री ने बताया की इस बार बालिकाओं ने अध्यापिका सुनील कुमारी के निर्देशन मे हर क्षेत्र मे बेहतरीन प्रदर्शन किया है इसी का परिणाम है की एक बालिका ब्लॉक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करके जिला स्तर पर सम्मानित होकर आई है , विधालय के शिक्षकों ने भी स्कूल मे बालिका की हौसला आफजाई व पुरस्कृत कियो इस दौरान अध्यापक नरेन्द्र शास्त्री, प्रधानाध्यापक करणसिंह दलावत, भँवरलाल घोघरा, गहरीलाल मेघवाल, विष्णु सामरिया, अध्यापिका सुनील कुमारी, अन्नाराम हिंगड़ व राजवीर लोहान उपस्थित रहें

मुंडावर में नहर का पानी लाने के लिए निकाली जा रही पदयात्रा को मिल रहा है भारी जनसमर्थन

मरुधर विशेष/ हवासिंह चौधरी

मुंडावर। 2 अक्टूबर से भारत जोड़ो यात्रा के सानिध्य में माननीय पूर्व प्रधान रोहताश चौधरी के नेतृत्व में मुंडावर में नहर का पानी लाने के लिए निकाली जा रही पदयात्रा जो आज गांव गदुवास ,छोटा गादूवास ,विजयनगर और दादिया पहुंचने पर लोगों ने उत्साह के साथ समर्थन किया और यात्रा में साथ चलने का वादा किया ग्रामीणों ने रोहितास चौधरी से वादा किया कि आप जब बुलाओगे हम नहर के लिए किसी भी आंदोलन में किसी भी यात्रा में साथ चलने के लिए हमेशा तैयार रहेंगे आप की मुहिम को कमजोर नहीं पड़ने देंगे आज यात्रा में माननीय रोहताश चौधरी के साथ बहरोड़ के पूर्व प्रधान बस्तीराम यादव ,पीसीसी सदस्य माननीय अजीत यादव ,अखिलेश कौशिक जिला महासचिव कांग्रेस रामावतार चौधरी ,मुंडावर का अन्ना हजारे सुरेश यादव,राजू खटीक ,लीलाराम धक्का,हजारीलाल मानसिंह ,लोकेश मीणा,रविकांत ,रतिराम ,चेतराम दिनेश शर्मा, सोमदत, शेर सिंह, प्रकाश, अंकित, चेतराम बेहरोज , रमेश सैन, ताहिर खान, बाबूलाल खाती ओमदत्त, कमल, राहुल,आदि लोग साथ चले रहे हैं जिनका गांव गांव में स्वागत किया गया । गादुवास में पूर्व सरपंच श्री महावीर यादव के नेतृत्व में यात्रा का स्वागत कर साथ चलने का आश्वासन दिया, बिचला में श्री गजराज सिंह वा ओमकार सिंह और उनकी टीम ने स्वागत कर वादा किया कि याद करने पर यात्रा में साथ चलेंगे । दाधीया मे राजकरण, नरवीर यादव आदि ग्रामवासियों ने यात्रियों का स्वगत कर इनके नेक कार्य की सराहना कर साथ चलने का निवेदन किया।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने किया प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर का जोरदार स्वागत

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष एम. सादिक खान के नेतृत्व में राष्ट्रीय मंत्री एवं राजस्थान प्रदेश सह-प्रभारी विजया राहटकर का मोर्चा पदाधिकारियों के द्वारा प्रदेश कार्यालय में जोरदार इस्तकबाल किया गया। इस मौके पर राहटकर ने कहा कि आगामी चुनाव में अल्पसंख्यक मोर्चे की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी एवं उन्होंने मोर्चा के पदाधिकारियों से संगठन के आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की। इस मौके पर मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य डॉ. मजीद मलिक कमाण्डो, भाजपा प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूजा कपिल, मोर्चा के प्रदेश महामंत्री हमीद खान मेवाती, प्रदेश मीडिया प्रभारी मेहबूब कुरैशी, प्रदेश सह-कार्यालय प्रभारी गुलजार कुरैशी, सरिका चौधरी सहित प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लकडियों से भरी पिकअप पकड़ी

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

कामां.वन विभाग की टीम ने बुधवार को जुरहरा क्षेत्र में अवैध रूप से लकड़ी ले जाते हुए एक पिकअप गाड़ी को जब्त किया है। क्षेत्रीय वन अधिकारी पवन कुमार ने बताया कि सूचना मिली कि एक व्यक्ति अपनी पिकअप गाड़ी में अवैध रूप से पांच प्रकार की लकडि?ीं को भरकर जुरहरा क्षेत्र की ओर जा रहा है। जिसपर वन विभाग के नाका प्रभारी औलन्दा नरेन्द्र कुमार शर्मा ने पिकअप गाड़ी का पीछे करते हुए पकड़ लिया। जबकि चालक भागने में सफल हो गया।

विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी की स्थापना की स्वर्ण जयंती वर्ष में 19 नवंबर 2022 को अलवर आएगी विवेकानंद संदेश यात्रा

मरुधर विशेष युवराज शर्मा

विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी की स्थापना की स्वर्ण जयंती के अवसर पर संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य से विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी राजस्थान प्रांत द्वारा आयोजित विवेकानंद संदेश यात्रा राजस्थान शुरू हो रही है जो कि 19 नवंबर 2022 से 7 जनवरी 2023 तक चलेगी। अलवर में यह यात्रा 19 नवंबर 2022 को खेतड़ी से कोटपूतली, बहरोड मार्ग होते हुए अलवर में प्रवेश करेगी और फिर 21 नवंबर को यहां से भरतपुर के लिए प्रस्थान कर देगी।

दो दिवसीय यात्रा के अलवर में आगमन, प्रस्थान, संचालन और विवेकानंद जी के युवाओं और समाज को दिए संदेश के जन जागरण हेतु विवेकानंद संदेश यात्रा आयोजन समिति का गठन किया गया है इस यात्रा समिति कि पहली बैठक आज विवेकानंद केंद्र सीएमएचओ ऑफिस अलवर पर डॉक्टर कृष्ण कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम और यात्रा की एक रुपरेखा बनाई गई, जिसके अनुसार दिनांक 20 नवंबर 2022 को साइकिल रेस, विशाल शोभायात्रा एवं साएं कालीन कवि सम्मेलन रहने वाला है एवं 21 नवंबर 2022 को युवाओं की हाफ मैराथन दौड़ इस दौरान आयोजित की जाएगी।

20 फरवरी को होने वाली विवेकानंद संदेश शोभायात्रा प्रातः 10:30 बजे विवेकानंद चौक से रवाना होगी और पुलिस कंट्रोल रुम होप सर्कस, घंटाघर, काशीराम, भगत सिंह चौराया, बिजली घर, अशोक सर्किल होती हुई शहीद स्मारक पर समाप्त होगी जहां पर नुक्कड़ नाटक और अन्य स्वामी

विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी के सेवा कार्यों के बारे में बताया जाएगा।

विवेकानंद संदेश यात्रा में भाग लेने वाली महिलाओं, बच्चों, साइकिल रेस, मैराथन, शोभा यात्रा आदि के प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं विवेकानंद संदेश यात्रा के प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। आज की बैठक में यात्रा आयोजन समिति के संयोजन का दायित्व डॉ कृष्ण कुमार गुप्ता को दिया गया एवं उनके दो सहयोगी सह संयोजक डॉ रमेश अग्रवाल एवं शशांक झालानी को बनाया गया हैं। यात्रा के लिए प्रचार प्रमुख अमित गोयल, वित्त प्रमुख जिनेंद्र जैन एवम सोशल मीडिया टीम में अमित गोयल, शशांक झालानी एवं मधुसूदन शर्मा रहने वाले हैं। इस यात्रा के मीडिया प्रभारी का दायित्व डॉ पंकज गुप्ता देखेंगे।

विवेकानंद संदेश यात्रा के सफल आयोजन के लिए जयपुर से पधारे अशोक खंडेलवाल एवं ओम प्रकाश गुप्ता ने विस्तार से विवेकानंद संदेश यात्रा के बारे में आयोजन समिति को बताया। इस मौके पर प्रद्युमन कुमार जोशी, अशोक गुप्ता, रामभरोसी अग्रवाल, मधुसूदन शर्मा, मोहन स्वरुप अग्रवाल, राजेश गुप्ता, सीए श्री किशन गुप्ता, डॉ पंकज गुप्ता, अशोक मित्तल, डॉ राजीव सक्सेना, रमेश अग्रवाल, सुनील भरतीया, जिनेंद्र कुमार जैन, अशोक कुमार गुप्ता, मूलचंद, भगवती, दीवान चंद सेतिया, विष्णु गोयल, सुरेश अग्रवाल, डॉ गंगा श्याम गुजर, शिवदयाल शर्मा अशोक मेठी, अशोक आहूजा, अमित गोयल, अनीता सोनी, विनोद शर्मा, शेखर, अरुण जैन पार्षद, शशांक झालानी, गोविंद गर्ग आदि उपस्थित थे।

राजस्थान सरकार द्वारा डॉ.एस.सी.मित्तल को मिला छठी बार भामाशाह अवार्ड शिक्षा भूषण

राजस्थान के एकमात्र चिकित्सक जिनको लगातार 6 बार राजस्थान सरकार द्वारा भामाशाह अवार्ड

मरुधर विशेष युवराज शर्मा

मरहम लगा सको तो किसी गरीब के जख्मो पर लगा देना
हाकिम बहुत है बाजार में , अमीरों के ईलाज की खातिर

इन पंक्तियों के चरितार्थ किया है अलवर शहर के जाने माने समाज सेवी , वरिष्ठ चिकित्सक एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी अलवर शाखा के चेयरमैन डॉ एस सी मित्तल ने जिन्होंने ना सिर्फ सामजिक सरोकार निभाए, मरीजो के दर्द को दूर किया बल्कि अपने पिता स्वर्गीय श्री नानक चन्द मित्तल जी (सरकारी अध्यापक, मौजपुर) का सपना ह्लहर गरीब को शिक्षा मिलेह्व को साकार करने की बेहतरीन कोशिश के तहत शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार द्वारा लगातार छठी बार ह्लभामाशाह पुरूस्कार ह्न शिक्षा भूषणह्व से सम्मानित हुए है ! डॉ एस सी मित्तल राजस्थान के एक मात्र ऐसे चिकित्सक है जिनको शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार के 26 वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में आज 12 अक्टूबर 2022 को

मानसरोवर जयपुर के शिप्रा पथ पर स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल के दीप स्मृति सभागार में लगातार छठी बार राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री श्री बी.डी.कल्ला, तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री सुभाष गर्ग , कॉलेज एजुकेशन शिक्षा मंत्री श्री राजेन्द्र यादव, अतिरिक्त मुख्य सचिव शिक्षा श्री पी.के. गोयल, निदेशक प्राथमिक शिक्षा श्री गौरव अग्रवाल द्वारा भामाशाह सम्मान दिया गया है इससे पूर्व वर्ष 2014 ,2015 , 2016, 2017, 2018 में लगातार भामाशाह अवार्ड प्राप्त हो चुके है और इस वर्ष यह अवार्ड भी 2019 ह्न 2020 के लिए दिया गया है ! यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में विधालयो, आंगनवाडी, एवं शिक्षण संस्थाओ के शैक्षिक , सह शैक्षिक एवं भौतिक विकास के लिए सहयोग करने के लिए दिया जाता है वर्ष 2019 ह्न 2020 में डॉ. मित्तल द्वारा कुल 16,10,195 रुपये का सहयोग शिक्षा विभाग को दिया गया था अब तक तकरीबन 1 करोड़ रुपये से अधिक डॉ मित्तल शिक्षा विभाग के शैक्षिक , सह शैक्षिक एवं भौतिक विकास के लिए खर्च कर चुके है ! डॉ मित्तल चिकित्सा, शिक्षा के क्षेत्रों के अलावा स्वच्छ भारत अभियान, रोड सेफ्टी , फूड फॉर हंगर , प्लांटेशन इत्यादि प्रोजेक्ट चलाकर सरकार की कार्य योजनाओ में प्रत्यक्ष ह्न अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान कर रहे है ! डॉ. मित्तल फाउंडेशन के ट्रस्टी होने के साथ साथ इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी अलवर के चेयरमैन, साधक सेवा समिति के अध्यक्ष, सदभाव मंच के अध्यक्ष, लायन क्लब अलवर मत्स्य के पूर्व अध्यक्ष एवं रीजन चेयरपर्सन , बचपन बचाओ आप साथ दो समिति के संरक्षक रहते हुए सेवा कार्य कर रहे है !

सार्वजनिक जानकारी के लिए, अलवर में रोडवेज कर्मचारियों का सम्मेलन संपन्न रोडवेज बचाओ- रोजगार बचाओ नारे के साथ 21 सूत्रीय मांगों के लिए किया रोडवेज कर्मचारियों ने प्रदर्शन

मरुधर विशेष युवराज शर्मा

राजस्थान रोडवेज के श्रमिक संगठनों का संयुक्त मोर्चा के अलवर ,मत्स्य नगर के श्रमिक संगठनों के कार्यकताओं का आज केंद्रीय बस स्टैंड अलवर पर प्रदर्शन कियाह्न वक्ताओं ने बताया कि राज्य में एक के बाद एक आती रही राज्य सरकारों की रोडवेज के प्रति निरंतर उपेक्षा की नीति एवं रोडवेज के अधिकारियों के भ्रष्टाचार को मिलते रहे उच्च स्तरीय संरक्षण तथा विभिन्न स्तरों पर रहते आए आंतरिक कुप्रबंधन के चलते जन सेवाभावी रोडवेज उद्योग एवं इसके कर्मचारियों पर भारी आर्थिक संकट खड़ा हो गया है इस स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार को रोडवेज के राजस्व में गुणात्मक बढ़ोतरी के ठोस उपाय करते हुए रोडवेज को प्रतिमाह होने वाले घाटे के बराबर प्रत्येक माह के अंतिम कार्य दिवस से पूर्व आर्थिक अनुदान देने का तुरंत निर्णय करना चाहिए ।प्रदर्शन में अगस्त 2022 से सितंबर 2022 तक 2 माह के बकाया वेतन पेंशन व दो माह के बकाया सेवानिवृत्ति परीलाभ का भुगतान जल्द करने व 24 अक्टूबर 2022 को दीपावली से पूर्व में एक्सग्रेशिया का भुगतान करने की मांग जोरदार तरीके से की गई । प्रदर्शन में नारेबाजी करते हुए एक सुर में पुरजोर तरीके से वेतन पेंशन 1 महीने के सेवानिवृत्त परिलाभ का हर महीने के पहले कार्य दिवस को भुगतान करने की स्थाई व्यवस्था करने रोडवेज के बस स्टैंड को राजस्थान राज्य बस अड्डा विकास प्राधिकरण के अधीन नहीं करने ,पूर्व में राष्ट्रीयकृत किए गए मार्गों को राष्ट्रीयकृत करने ,2000 नई बसें खरीदने ,10,000 रिक्त पदों पर नई भर्ती करने ,रोडवेज बस स्टैंड के बाहर से अवैध तरीके से संचालित सभी तरह की निजी बसों को 2 से 5 किलोमीटर दूर से संचालित करने, अप्रैल 2022 से लागू सातवें वेतनमान को जनवरी

2016 से लागू करने, पुरानी पेंशन योजना लागू करने, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सेवानिवृत्त पर लाभ के विलंब से भुगतान कर न्याय निर्णय के अनुसार ब्याज का भुगतान करने, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सभी प्रकार के अन्य बकाया भुगतान करने ,आदि 21 सूत्री मांगों को समय रहते स्वीकार करने की मांग की। प्रदर्शन में इस मांग को पुनः जोरदार तरीके से दोहराया है कि अगर राज्य सरकार जन सेवाभावी रोडवेज संस्थान को जनहित व कर्मचारी हित में निर्बाध तरीके से संचालित करने की इच्छुक नहीं है तो रोडवेज उद्योग को व इसके कर्मचारीयो सहित राज्य सरकार में समाहित करने का निर्णय करें ।उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2018 में हुए राज्य विधानसभा चुनाव के समय कांग्रेस द्वारा जारी घोषणा पत्र में रोडवेज के संबंध में किया गया वादा इस प्रकार हैह्न राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम को यथावत चालू रखे जाना, निगम कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय तथा निगम की बसों की संख्या में वृद्धि तथा निगम को सुदृढ़ बनाने हेतु ठोस नीति का निर्धारण, चुनाव के बाद कांग्रेस की सरकार के गठन से अब तक 3 वर्ष 8 माह का समय व्यतीत हो जाने के उपरांत भी राज्य सरकार द्वारा अपना वादा पूरा नहीं किया जाने से कर्मचारियों में आक्रोश है । इस सम्मेलन के बाद 24 नवंबर 2022 के एक दिन के प्रदेश व्यापी हड़ताल के बीच अवधि में 11 अक्टूबर 2022 तक प्रदेश में 9 अलग-अलग स्थानों पर संयुक्त सम्मेलन, 12 अक्टूबर 2022 से 13 अक्टूबर 2022 तक प्रदेश के सभी आगार पर प्रदर्शन, 18 अक्टूबर 2022 को प्रदेश में एक घंटे का कार्य बहिष्कार एक नवंबर 2022 से 15 नवंबर 2022 तक प्रदेश के सभी इकाइयों के संयुक्त दौरे, 17 नवंबर 2022 को जयपुर में प्रदेश स्तरीय रैली 19 नवंबर 2022 को प्रदेश में सभी इकाइयों पर ढोल बजाओ - सरकार जगाओह्न प्रदर्शन 22 नवंबर 2022 से 23 नवंबर 2022 तक प्रदेश के सभी आगार पर दिन -रात के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, प्रदर्शन की अध्यक्षता एटक के प्रदेश सचिव हरिओम चुघ ने की, प्रदर्शन में सैकड़ो प्रतिनिधियों ने भाग लिया जिसमें बड़ी संख्या में महिला भी मौजूद थी सम्मेलन का संचालन राजस्थान स्टेट रोडवेज एमप्लाइज यूनियन (एटक) के उप महासचिव संजय चौधरी ने किया

खेत में पड़े चारे में लगी लाग

नसीराबाद - अजमेर/ओम भास्कर ब्यूरोनसीराबाद क्षेत्र के ग्राम राजगढ़ में पावर हाउस के पास खेत में पड़े हुए चारे में रात को किसी अज्ञात व्यक्ति ने आग लगा दी। जिससे कालू माली पुत्र मंगला माली का रखा हुआ चारा जल कर राख हो गया। रात को 3 बजे दिनेश अजमेर मंडी जा रहा था तब उसे आग लगी दिखी, दिनेश ने कालू माली को फोन कर के सुचना दी जिससे सभी घर के लोग वहा लगी आग बुझाने पहुंचे। तब तक सारा चारा जल के राख हो गया।5 ट्रॉली गिला चारा था जो पूरा जलकर राख हो गया।

अरांई में दो करोड़ की गौरव पथ टूटी

अरांई (ओम भास्कर ब्यूरो)ग्राम पंचायत की निरसता के चलते ग्राम में बनी दो करोड रुपए की गौरव पथ टूट गई है इससे ग्राम वासियों में गहरा आक्रोश व्याप्त हो गया है। ग्रामीणों ने अरांई सरपंच पर आरोप लगाया कि वे गौरव पथ के प्रति उदासीन है जिससे गौरव पथ पर कंई जगह पर खड्डे हो गये है। गौरव पथ पर बने नालों पर दुकानदारों ने अतिक्रमण कर रखा है जिससे आवासीय कालोनियों से निकलने वाला गन्दा पानी गौरव पथ पर भरने से आवागमन में बाधा पंहुच रही है तथा वाहनों से गन्दा पानी उछल कर दूकानों में जा रहा है। उपखण्ड मुख्यालय पर सरकारी नालों की नियमित सफाई नहीं होने से गौरव पथ खराब स्थिति में पंहुच गया है जबकि इसी गौरव पथ को बनाने के लिए ग्राम वासियों ने पूर्व में धरना प्रर्दशन कर गौरव पथ का निर्माण करवाया था लेकिन पंचायत की उदासीनता के चलते गौरव पथ खराब हो रहा है।

इनका कहना है- अरांई में सफाई का टेंडर हो गया है गौरव पथ के दोनों ओर बने नालों पर अतिक्रमण चिन्हित कर जल्द अतिक्रमण हटाकर नालों की सफाई की जाएगी।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से देखा महाकाल लोक का लोकार्पण

केकड़ी। (ओम भास्कर) विजेन्द्र पाराशर : भारतीय जनता पार्टी राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष सतीश पुनिया व अजमेर देहात जिलाध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा के निदेर्शानुसार भारतीय जनता पार्टी केकड़ी शहर मंडल द्वारा सोमवार रात्रि को उज्जैन में मोदी जी द्वारा महाकाल लोक परियोजना लोकार्पण कार्यक्रम के तहत आज खिड़की गेट स्थित बड़ पिपलेश्वर महादेव मंदिर शिवालय में पूजा अर्चना की गई तथा कार्यक्रम का सीधे प्रसारण का सार्वजनिक रूप से सामूहिक प्रदर्शन किया गया।इस मौके पर यशस्वी व लोकप्रिय प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी द्वारा भारत के 12 द्वादश ज्योतिर्लिंग में से एक ज्योतिर्लिंग मध्य प्रदेश उज्जैन में स्थित महाकाल में नवनिर्मित भव्य गलियारा *श्री महाकाल लोक श्रद्धालुओ को समर्पित किया गया।इस मौके पर अपने सम्बोधन में मंडल अध्यक्ष अनिल राठी जिला उपाध्यक्ष रिंकू कंवर व

सत्यनारायण चौधरी,नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि मोदी जी द्वारा सभी धार्मिक स्थलों पर विकास की गंगा बहाते हुए एक नई पहचान भारत को दी जा रही है जिससे देश का गौरव बढ़ रहा है,भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को प्रतिस्थापित करने के उनके प्रयास निसन्देह भारत के प्राचीन गौरवशाली अतीत की याद ताजा कर रहे है इसी क्रम में चारधाम तीर्थों का कायाकल्प,काशी परियोजना ओर अब महाकाल परियोजना सहित आगे भी ओर कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं है जिसके लिए हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद ज्ञापित करते है,कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला उपाध्यक्ष महेश बोयत,मंत्री सुरेश सेन,आई टी प्रकोष्ठ संयोजक रोहन राठी महामंत्री कमल सांखला,पूर्व पार्षद मनीष मेंहरचन्दानी व गणेश जी भाटी का विशेष सहयोग रहा जिनका दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का संचालन महामंत्री रामबाबू सांगरिया ने किया।इस मौके पर पूर्व विधायक गोपाल लाल धोबी, अजमेर देहात जिला उपाध्यक्ष रिंकू कंवर राठौड़ व सत्यनारायण चौधरी,मण्डल अध्यक्ष अनिल राठी व महेश शर्मा,पूर्व चेयरमैन किशन लाल डसानिया,महामंत्री रामबाबू सांगरिया, युवामोर्चा अध्यक्ष राजेन्द्र चौधरी,महेश बोयत,धनराज नायक,आई टी प्रकोष्ठ संयोजक रोहन राठी,श्रीराम आचार्य,रोहित जांगिड़,सुरेश सेन,संजय बेनीवाल,पूर्व पार्षद मनीष मेहरचन्दानी,ललित चौधरी,योगराज सिंह,गोपाल लाल सोनी,गजेन्द्र पाराशर,चिरन्जी लाल सोनी,विनोद विजय,रमेश सेन सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग व कारागार मंत्री टीकाराम जूली गुरुवार को अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र मे विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे'

मरुधर विशेष रुपेश शर्मा

कार्यक्रम अनुसार मंत्री जूली प्रातः 11बजे लक्ष्मी मैरिज होम, पृथ्वीपुरा रोड, मालाखेड़ा में पंचायत समिति मालाखेड़ा की साधारण सभा की बैठक में शामिल होंगे' दोपहर 1:30 बजे काली पहाड़ी में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण, दोपहर 2:30 बजे महाराजपुरा में जनहित के विकास कार्य का उद्घाटन, 3:30 बजे ढाकपुरी में जनहित के विकास कार्य का उद्घाटन एवं राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत का उद्घाटन तथा सांय 4.30 बजे गांव केरवावाल में जनहित के विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे '

बृज भूमि कल्याण परिषद के डॉक्टर पंकज गुप्ता ने सुजान गंगा की दुर्दशा को लेकर भरतपुर मैं किया प्रदर्शन

मरुधर विशेष रुपेश शर्मा

बृज भूमि कल्याण परिषद के राष्ट्रीय संयोजक डॉक्टर पंकज गुप्ता के नेतृत्व में उनके भरतपुर प्रवास पर प्रदेश उपाध्यक्ष नेत्रकमल मुदगल, प्रदेश महामंत्री अनिल भारद्वाज, संभाग उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा, जिला महामंत्री मुरारीलाल, प्रेमसिंह, रोशन लाल दिनेश, अश्वनी जावली आदि ने कोरिया घाट पर सुजान गंगा की दुर्दशा पर प्रदर्शन किया तथा केंद्र सरकार एवम राज सरकार का ध्यान घाटों की दुर्दशा, जल प्रदूषण, खरनी घाट व घोड़ा घाट की सड़क जो वर्षों से टूटी पड़ी है परंतु सरकार को कई बार ज्ञापन देने के बाद भी समस्या का कोई समाधान नहीं निकाला गया हैं। भरतपुर की भोली भाली जनता सब कुछ सहन कर रही है। सरकार में बैठे हुए आदरणीयों से निवेदन है कि इसके लिए बजट आवंटित करें नगर निगम अपना पल्ला पुरातन विभाग पर और पुरातन विभाग राज्यसरकार एक दूसरे पर ज़िम्मेदारी डालने का नाटक बंद करें, सभी संपत्ति भारत देश की है उसके उचित रख रखाओ की जिम्मेदारी राज्य सरकार हाथ में ले। लोहागढ़ दुर्ग भारत का नहीं आती तो विश्व पटल पर पर्यटन में अपना स्थान प्राप्त करें ऐसा एक पायलेट प्रोजेक्ट तैयार करें। ब्रज भूमि कल्याण परिषद भारत की संस्कृति ब्रज की धरोहर, मंदिर पहाड़ के सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए कार्य कर रही है जिसका मुख्य उद्देश्य भारत के संविधान के खिलाफ लिए गए फैसले पर बनाए गए मेवात विकास बोर्ड को भंग कर बृज विकास बोर्ड का निमार्ण है।

ग्राम साथिन कुसुमलता ने बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति दिलाई शपथ

मरुधर विशेष / दिनेश लेखी

कठूमर। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर महिला अधिकारिता विभाग की ग्राम साथिन कुसुमलता ने अरूर्वा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया।ग्राम साथिन कुसुमलता ने बताया कि किशोरी बालिकाओं को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ और घूंघट मुक्त कराने की शपथ दिलवाई और साथ में उड़ान योजना,कन्या भ्रूण हत्या, महिला अधिकारिता विभाग द्वारा चलाए जा रहे तीन सेंटर वन स्टॉप सेंटर या सखी केंद्र घरेलू हिंसा,बाल विवाह योजना, डायन प्रताड़ना, मुख्यमंत्री राजश्री योजना, सामूहिक विवाह योजना, इंदिरा महिला शक्ति योजना में शिक्षा सेतु, कौशल सामर्थय उद्यम प्रोत्साहन योजना और महिला अधिकारिता विभाग के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम में साथिन कुसुमलता, एससीबीओ, पंचायत सहायक नरेश चौधरी, सरकारी विद्यालय की पीटीआई मंजू मैडम, शशि मैडम व विद्यालय के संपूर्ण स्टाफ ने भाग लिया।

ग्राम साथिनो ने एसएचजी की बैठक कर महिलाओं को किया जागरूक

मरुधर विशेष/ दिनेश लेखी

कठूमर। ब्लॉक में महिला अधिकारिता विभाग की ग्राम साथिनो ने एसएचजी की बैठक कर 5 से 10 वर्ष व16 वर्ष के बच्चों को डीपीटी टीडी के टीकाकरण करवाएं । ग्राम पंचायत साथिन रूचि रानी बेरका ने समूह की बैठक में इंदिरा महिला शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना के बारे में महिलाओं को विस्तार से समझाया। बैठक में ग्राम पंचायत बेरका साथिन रूचि रानी, कुसुमलता अरुर्वा, स्नेहलता खोह, संता सैनी सोखर, कमलेश शर्मा तसई, पप्पी चौधरी-रेटा, हेमा शर्मा- कालवाड़ी, कुट्टी साबदास ललिता शर्मा, सीता शर्मा सोखरी, मंजू वर्मा इंदिरा कॉलोनी आदि ग्राम पंचायतों ने अपनी ग्राम पंचायतो में विभाग की योजनाओं के बारे में जानकारी देकर महिलाओं को जागरूक किया।

वृक्षारोपण करके हरित राजस्थान का संकल्प लिया

मरुधर विशेष / नरेन्द्र शास्त्री

करौली विश्व वन्यजीव सप्ताह के बाद राजस्थान मे हरित राजस्थान मिशन गति पकड़ रहा है , जगह जगह वृक्षारोपण किये जा रहे है , हरित राजस्थान कार्यक्रम के तहत करौली कस्बे की हिंडौनसिटी निवासी मनीषा उपाध्याय ने कस्बे परिसर मे फलदार वृक्ष उगा कर हरित राजस्थान संकल्प मे योगदान दिया , मनीषा उपाध्याय ने बताया की वृक्ष हमारे प्राणवायु प्रदाता है , हमे अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लेना चाहिऐ